14 सितंबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

न्याय का उत्सव, लोक अदालत में एक ही दिन निपटे 1909 मामले 2

पीएम मोदी की मां का एआई से वीडियो बनाने पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

♦ बुरी तरह फंसे कांग्रेस आईटी सेल के नेता दर्ज हुआ प्राथमिकी

एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार कांग्रेस के आईटी सेल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां का एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करने के बाद दिल्ली पुलिस ने एक्शन ले लिया है। इस मामले में कांग्रेस आईटी सेल के अज्ञात नेताओं के खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा दिल्ली चुनाव प्रकोष्ठ के संयोजक संकेत गुप्ता ने नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह वीडियो प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करता है और कानून, नैतिकता और महिलाओं की गरिमा का घोर उल्लंघन करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धारा 336 (जालसाजी), 340 (2) (जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और इसे वास्तविक के रूप में उपयोग करना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), 356 (2) (मानहानि) और बीएनएस की धारा 61 (2) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 10 सितंबर को साझा किए गए इस वीडियो में कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने में उनकी माता आती दिखाई दे रही हैं और पीएम मोदी को समझा रही हैं। एआई एप से बनाए गए 36 सेकंड का यह वीडियो धड़ल्ले से साझा किया जा रहा है और भाजपा इसे प्रधानमंत्री मोदी पर निजी हमले के रूप में देख रही है। हालांकि, कांग्रेस ने वीडियो का बचाव करते हुए कहा कि इसमें किसी का अपमान नहीं है। नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई शिकायत में इन दृश्यों को अपमानजनक बताया गया है और दावा किया गया है कि ये प्रधानमंत्री मोदी की माँ और सामान्य रूप से मातृत्व की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं। भाजपा का कहना है कि यह वीडियो राजनीतिक उकसावे के तौर पर जारी किया गया है और इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से ठीक पहले जारी किया गया है। भाजपा नेता संकेत गुप्ता ने कहा, ह्यइस एआई जेनरेटेड वीडियो में पीएम मोदी और उनकी दिवंगत मां की छवि को गलत तरीके से दिखाया गया है. यह वीडियो न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की छवि को ठेस पहुंचाने के लिए बनाया गया, बल्कि यह महिलाओं की गरिमा और मातृत्व का भी घोर अपमान है। भाजपा ने इसे राजनीति की सीमा से बाहर जाकर उनके व्यक्तिगत जीवन और उनके परिवार पर हमला करार दिया है।

एफआईआर में बिहार के दरभंगा की घटना का भी किया जिक्र

शिकायतकर्ता भाजपा नेता संकेत गुप्ता ने दर्ज कराए गए एफआईआर में बिहार के दरभंगा जिले में हुई घटना का भी जिक्र किया है. भाजपा नेता ने कहा कि 27-28 अगस्त, 2025 को बिहार के दरभंगा जिले में आयोजित कांग्रेस और राजद की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां को लेकर अभद्र टिप्पणियां की गई थीं.ह्व उन्होंने कहा, ह्ययह पूरी घटना कांग्रेस की ओर से सुनियोजित की गई थी. यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने की उद्देश्य के तहत की गई कोशिश थी। दिल्ली पुलिस ने बिहार कांग्रेस के आईटी सेल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो को एक्स पर साझा करने के बाद कार्रवाई की है।

चुनाव आयोग बोला- वोटर लिस्ट बनाना, बदलना सिर्फ हमारा काम

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा- पूरे देश में समय-समय पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराना उसका विशेषाधिकार है। कोर्ट इसका निर्देश देगी तो ये अधिकार में दखल होगा। आयोग ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार वोटर लिस्ट बनाना और उसमें समय-समय पर बदलाव करना सिर्फ चुनाव आयोग का अधिकार है। यह काम न किसी और संस्था और न ही अदालत को दिया जा सकता।चुनाव आयोग ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और वोटर लिस्ट को पारदर्शी रखने के लिए लगातार काम करते हैं। यह हलफनामा एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था। याचिका में मांग की गई थी किएउ ने 5 जुलाई 2025 को बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर 1 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि के आधार पर एसआईआर की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया था। 8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिहार में जारी एसआईआर प्रक्रिया में आधार कार्ड को पहचान प्रमाण के तौर पर अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। चुनाव आयोग को 9 सितंबर तक इस निर्देश को लागू करने का निर्देश दिया था। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

मणिपुर के विस्थापितों के लिए 500 करोड़ रुपये के पैकेज का एलान

मणिपुर की जनता हिंसा से आगे बढ़कर शांति का साथ दे : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी/इंफाल

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर पहुंचे। यहां पीएम ने राज्य की जनता को संबोधित करते हुए दो साल से फैले तनाव और हिंसा के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि विकास के लिए शांति जरूरी है और मणिपुर आशा और शांति की भूमि है। पीएम ने अपील की कि मणिपुर की जनता हिंसा से आगे बढ़कर शांति का साथ दे, ताकि विकास हो सके। इतना ही नहीं उन्होंने विस्थापितों के लिए 500 करोड़ रुपये के पैकेज का एलान किया। साथ ही बिजली की समस्या को सुलझाने और राज्य को बेहतर तरह से जोड़ने का वादा किया। मणिपुर में मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के बीच तनाव का दौर 2022 के अंतिम महीनों से ही शुरू हो गया था। हालांकि, यह चरम पर तब पहुंचा जब मणिपुर उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह मैतेई समुदाय को लंबे समय से लंबित पड़ी उनकी अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने की मांग पर विचार करे। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद मणिपुर के दूसरे जनजातीय समुदायों खासकर कुकी समुदाय में डर बैठ गया कि उनके रहने वाले क्षेत्रों खासकर संरक्षित पहाड़ी क्षेत्रों में मैतेई समुदाय को बसने की इजाजत मिल जाएगी। दरअसल, राज्य में मैतेई समुदाय के लोगों की संख्या करीब 60 प्रतिशत है। ये समुदाय मुख्यतः हिंदू है और इंफाल घाटी और उसके आसपास के इलाकों में बसा हुआ है। हालांकि, इतनी बड़ी आबादी जिस क्षेत्र में बसी है, वह पूरे मणिपुर के कुल क्षेत्रफल का 10 फीसदी ही है। दूसरी तरफ कुकी-जो और नगा समुदाय, जो कि मुख्यतः ईसाई धर्म से हैं और राज्य में मैतेई से कम हैं, वह 90 फीसदी इलाके में फैले हैं। मौजूदा कानून के तहत मैतेई समुदाय को राज्य के पहाड़ी इलाकों में बसने की इजाजत नहीं है। यही वजह है कि मैतेई समुदाय ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उन्हें जनजातीय वर्ग में शामिल करने की गुहार लगाई थी।

कुकी विधायकों ने पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपा ज्ञापन

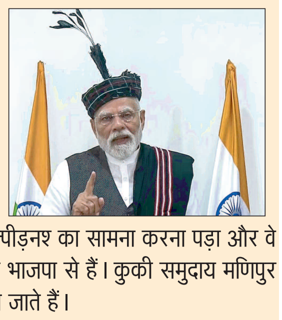

मणिपुर के कुकी-जो समुदाय से जुड़े दस विधायकों ने प्रधानमंत्री मोदी से मणिपुर संकट का जल्द राजनीतिक समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने अलग केंद्र शासित प्रदेश और विधानसभा की मांग करते हुए कहा कि अब मैतेई और कुकी समुदाय एक साथ नहीं रह सकते। पीएम को सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि यही रास्ता स्थायी शांति और न्याय की ओर ले जाएगा। यह दौरा मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पहली बार हुआ है। इस हिंसा में अब तक 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। प्रधानमंत्री को सौंपे गए एक संयुक्त ज्ञापन में इन विधायकों ने कहा कि कुकी समुदाय को श्जातीय उत्पीड़नश का सामना करना पड़ा और वे श्पूरी तरह से घाटी क्षेत्रों से बाहर कर दिए गए हैं। इन दस विधायकों में सात विधायक भाजपा से हैं। कुकी समुदाय मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में बहुसंख्यक है, जबकि मैतेई समुदाय घाटी क्षेत्रों में प्रभावशाली माने जाते हैं।

नौसेना को मिला दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत 'अंद्रोथ', अत्याधुनिक कॉम्बैट सिस्टम से है लैस

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय नौसेना को दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत 'अंद्रोथ' मिल गया है। रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक उपक्रम कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत 'अंद्रोथ' भारतीय नौसेना को सौंपा दिया है। पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत 'अंद्रोथ' मिलने के बाद नौसेना की शक्ति काफी इजाफा होगा। इस पोत का नाम लक्षद्वीप द्वीपसमूह के अंद्रोथ द्वीप पर रखा गया है। यह इस श्रृंखला का दूसरा पोत है। इससे पहले 8 मई को पहला पोत 'अनार्ला' नौसेना को सौंपा गया था। जिसे 18 जून को नौसेना में शामिल कर लिया गया। जीआरएसई के अधिकारी ने बताया कि इस श्रेणी के पोत पर स्वदेशी 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी) लगाई गई है। जिसे खुद जीआरएसई ने ही तैयार किया है।भारतीय नौसेना ने कुल 16 ऐसे पोतों का ऑर्डर दिया है। जिनमें आठ जीआरएसई और आठ एक अन्य भारतीय शिपयार्ड की ओर से बनाए जा रहे हैं। जीआरएसई द्वारा सभी आठ एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी लॉन्च किए जा चुके हैं, लेकिन यह नौसेना को सौंपा गया दूसरा जहाज है। उन्होंने कहा कि ये जहाज तटीय जल की पूर्ण पैमाने पर भूमिगत निगरानी के साथ-साथ खोज और हमले में भी सक्षम हैं।

कर्नाटक के हासन में नौ लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

एजेंसी/हासन

कर्नाटक के हासन जिले में शुक्रवार रात एक गांव में गणेश विसर्जन जुलूस में एक ट्रक के घुस गया। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। यह घटना गणेश चतुर्थी उत्सव के अंतिम दिन होसाहल्ली गांव में हुई। गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान एक भीषण हादसा हो गया। एक ट्रक श्रद्धालुओं की भीड़ में घुस गया। हादसे के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शोक प्रकट किया। उन्होंने घायलों के इलाज और मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद देने का एलान किया। सीएम ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि अधिकारियों को पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। देर रात हादसे से जुड़ा अपडेट शेयर करते हुए कर्नाटक पुलिस के वरिष्ठ पदाधिकारी- दक्षिणी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) एमबी बोरलिंगैया ने कहा, कल, रात 8 बजे से 8रू45 बजे के बीच, मोसले होसल्ली में एक लॉरी लापरवाही से गणपति विसर्जन जुलूस में घुस गई। दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। ड्राइवर भी घायल हो गया। मृतकों में 6 ग्रामीण और 3 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई है। इससे पहले हादसे को लेकर मुख्यमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा, हासन में गणेश विसर्जन के लिए जा रहे जुलूस से एक लॉरी की टक्कर में कई लोगों की मौत और 20 से ज्यादा लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मैं प्रार्थना करता हूं कि मृतकों की आत्मा को शांति मिले और घायल जल्द से जल्द स्वस्थ हों।

मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा

सिद्धारमैया ने आगे लिखा, राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। सरकार इस घटना में घायल हुए लोगों के इलाज का खर्च भी वहन करेगी। उन्होंने संवेदना प्रकट करते हुए पीड़ितों का साथ देने की अपील करते हुए लिखा, श्यह बेहद दुखद क्षण है। आइए हम सब इस त्रासदी से प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हों। सीएम के अलावा इस हादसे पर हासन प्रशासन की शीर्ष महिला पदाधिकारी (डिप्टी कमिश्नर) केएस लता कुमारी ने कहा, दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हुई है 22 लोग घायल हुए हैं। घायलों का इलाज केआईएमएस अस्पताल में कराया जा रहा है।

नालसा ने कहा- जनता को मिली परिवर्तनकारी राहत

लोक अदालत ने करोड़ों मामलों का किया निपटारा

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने देशभर में 2025 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की। इसमें 2.42 करोड़ मामलों का निपटारा हुआ। जिनमें प्री-लिटिगेशन और लंबित दोनों तरह के मामले शामिल रहे। निपटान का मूल्य 7,817 करोड़ रुपये से अधिक रहा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की ओर से शनिवार को देशभर में 2025 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 29 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों की तहसील, जिला और उच्च न्यायालयों में एक साथ हुआ। इस लोक अदालत का मकसद जनता को तेज, सुलभ और किफायती न्याय दिलाना रहा। हजारों बेंच एक साथ बैठीं और लाखों लोग अपने विवादों के समाधान के लिए पहुंचे। नालसा की प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक देर शाम तक कुल 2,42,55,036 मामलों का निपटारा हुआ। इनमें 2,10,44,809 प्री-लिटिगेशन मामले और 32,10,227 लंबित मामले शामिल रहे। इन मामलों का कुल निपटारा मूल्य 7,817.62 करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह आंकड़ा दर्शाता है कि लोक अदालत न्यायिक बोझ कम करने के साथ ही जनता को बड़ी राहत दे रही है। लोक अदालत में आपराधिक समझौता योग्य मामले, प्ली बार्गेनिंग, राजस्व और बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना मुआवजा, चेक बाउंस, श्रम और रोजगार विवाद, वैवाहिक विवाद (तलाक छोड़कर), भूमि अधिग्रहण संदर्भ, उपभोक्ता मामले, बौद्धिक संपदा विवाद, बिजली-पानी बिल, ट्रैफिक चालान और अन्य दीवानी मामले शामिल रहे।

जनता को परिवर्तनकारी राहत

नालसा ने कहा कि इस लोक अदालत ने लोगों को ष्परिवर्तनकारी राहतष् दी है। जहां पहले विवाद वर्षों तक अदालतों में अटके रहते थे, वहीं अब तेजी से और सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटान हो रहा है। यह लोक अदालत जनता में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) की स्वीकार्यता और भरोसा बढ़ाने का काम कर रही है।

संवाद और समझौते की संस्कृति

नालसा के मुताबिक इस लोक अदालत की असली सफलता सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि इस बात में है कि जनता ने विवाद समाधान के वैकल्पिक रास्तों पर भरोसा जताया है। पारिवारिक झगड़ों से लेकर व्यावसायिक विवादों तक, समझौतों ने यह साबित किया कि न्याय केवल तेज ही नहीं, बल्कि सौहार्दपूर्ण भी हो सकता है।

71वीं बीपीएससी परीक्षा, जिले में शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त संपन्न

- डीएम ने किया केंद्रों का औचक निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश
- स्वच्छ, शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा सम्पन्न कराने पर जोर

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) पटना द्वारा आयोजित 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा का शनिवार को जिले भर में शांतिपूर्ण माहौल में आयोजन किया गया। परीक्षा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद दिखा। इसी क्रम में जिला दंडाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

डीएम ने एमपी उच्च विद्यालय रामरेखा घाट एवं बीबी उच्च विद्यालय बंगाली टोला स्थित परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, परीक्षा संचालन और कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या कदाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों और वीक्षकों से एक-एक कर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी लगातार भ्रमणशील रहें और सतर्क दृष्टि बनाए रखें, ताकि परीक्षा केंद्र पर शांति और निष्पक्षता बनी रहे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कहीं से कदाचार की शिकायत आती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय होगी।

परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को भी डीएम ने संदेश दिया कि पारदर्शिता से आयोजित हो रही यह परीक्षा राज्य की प्रतिष्ठा का प्रश्न है। उन्होंने कहा कि बिहार की सिविल सेवाओं में योग्य और प्रतिभावान युवा ही आगे बढ़ें, इसके लिए प्रशासन हरसंभव प्रयास कर रहा है।

निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता बक्सर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। प्रवेश द्वार पर उम्मीदवारों की सघन जांच हुई, वहीं मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और निषिद्ध सामग्रियों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहा।

परीक्षा के सफल संचालन को लेकर जिले के पुलिस-प्रशासन ने पहले से ही संयुक्त बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके तहत केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

डीएम ने निरीक्षण के अंत में अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा खत्म होने तक चौकसी में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

न्याय का उत्सव, लोक अदालत में एक ही दिन निपटे 1909 मामले

- सुलह से सजा समाधान का रास्ता, करोड़ों की राशि पर हुआ समझौता

केटी न्यूज/बक्सर

न्याय को सुलभ और त्वरित बनाने के उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत ने शनिवार को बक्सर में न्याय के उत्सव का रूप ले लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के तत्वावधान में हुई इस तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत में महज एक ही दिन में 1909 मामलों का निपटारा कराया गया। खास बात यह रही कि 04 करोड़ 76 लाख 42 हजार 903 रुपए की समझौता राशि पर पक्षकारों ने सुलह समझौते से विवाद खत्म किया।

लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर, हर्षित सिंह ने किया। उनके साथ मंच पर प्रथम प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, मनोज कुमार, अवर जिलाधिकारी, अवर पुलिस अधीक्षक, सचिव जिला प्राधिकार, नेहा दयाल और अन्य गणमान्य पदाधिकारी मौजूद रहे। दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत शुभारंभ के बाद कार्यक्रम का संचालन मुंसिफ द्वितीय नेहा त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बबन ओझा, सचिव बिंदेश्वरी पांडेय सहित जिले के न्यायिक पदाधिकारी और अधिवक्ता भी मौजूद थे।

न्यायाधीश का संदेश, यहां हार-जीत नहीं, केवल जीत

अपने संबोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने लोक अदालत को ह्लदोनों पक्षों की जीतह्व वाला मंच बताया। उन्होंने कहा, ह्लयहां न कोई हारता है, न कोई जीतता है। दोनों पक्ष सुलह के आधार पर समाधान पाते हैं और यही इसकी विशेषता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाने के बजाय वे लोक अदालत का सहारा लें और एक ही दिन में मुकदमों का निपटारा कराएं।

जनता की अदालत है लोक अदालत

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार नेहा दयाल ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के निर्देश पर लोक अदालत को राष्ट्रीय पर्व की तरह मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य अदालतों पर बोझ कम करना और जनता को सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। यहां निर्णय केवल पक्षकारों की सहमति से होता है और दोनों की संतुष्टि के बाद ही अवार्ड जारी किया जाता है।

मुकदमों की श्रेणियां और समझौता राशि

इस लोक अदालत में कुल 12 बेंच बनाए गए थे। इनमें विभिन्न तरह के वादों का निपटारा किया गया। बैंक के 567 वाद के 2 करोड़ 56 लाख 98 हजार 120 रुपए की राशि पर समझौता। यातायात से जुड़े 620 मामले, आपराधिक 175 मामले, विद्युत विवाद के 352 मामले, वैवाहिक वाद के 8 मुकदमे, परिवहन विभाग के 4 मामले, एनआई एक्ट के 2 मुकदमे सिर्फ बैंक रिकवरी से जुड़े 181 मामलों में 02 करोड़ 6 लाख 17 हजार 149 रुपए की राशि पर सुलह समझौता हुआ।

स्वास्थ्य जांच शिविर बना आकर्षण

लोक अदालत के अवसर पर जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से निःशुल्क चिकित्सीय जांच शिविर भी लगाया गया। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवकुमार प्रसाद चक्रवर्ती की टीम में यूरोलॉजिस्ट डॉ. शशि प्रकाश, फिजिशियन डॉ. प्रकाश चंद्र राय, सर्जन डॉ. सुमित मिश्रा, डॉ. अमलेश कुमार, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट कुमारी अनुराधा, नेत्र सहायक संतोष कुमार और अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे। उन्होंने उपस्थित लोगों की जांच की और गंभीर बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए।

विधि और व्यवस्था की सशक्त भागीदारी

कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजीत कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, विभिन्न न्यायिक पदाधिकारी और अधिवक्ता पैनल मौजूद रहे। पारा विधिक स्वयंसेवक, न्यायालय कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारी भी सक्रिय रहे। दिनभर चली लोक अदालत ने साबित कर दिया कि यदि पक्षकार चाहें तो वर्षों पुराने मुकदमों को भी पलभर में सुलझाया जा सकता है। जहां अदालतों में वर्षों लगते हैं, वहीं लोक अदालत में एक ही दिन में समझौते से न्याय संभव है। यही कारण है कि इसे जनता की अदालत कहा जाता है। बक्सर की यह तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय व्यवस्था की पारदर्शिता और संवेदनशीलता का सशक्त उदाहरण बनी। यहां एक ही दिन में लगभग दो हजार मामले निपटाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। करोड़ों की समझौता राशि और पक्षकारों की सहमति इस बात का प्रमाण है कि लोक अदालत सचमुच न्याय का उत्सव है।

पांच दिनों चला आ रहा धरना कार्यक्रम समझौता के बाद समाप्त

- सात सूत्री मांग को लेकर नगर की स्वयं शक्ति संगठन ने धरना शुरू किया फिर भूख हड़ताल में बदल गया

केटी न्यूज/डुमरांव

बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर नगर की स्वयं शक्ति संस्था ने विगत पांच दिनों से राजगढ़ चौक पर धरना दे रहा था। इस धरने को लेकर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और कनीय अभियंता काफी बेचैन थे। धरने को तोड़वाने को लेकर उन्होंने धरनार्थियों से कईबार बात की, लेकिन बात नहीं बनी। पांचवें दिन यानि शुक्रवार को देर रात विधायक अजीत कुमार सिंह, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, विद्युत कार्यपालक अभियंता धरनार्थियों से वार्ता शुरू किया। वार्ता के दौरान धरनार्थियों ने कहा की हमारी जो सात सूत्री मांग है, जबतक उसे पूरा नहीं किया जाता है, तबतक कोई स्झौता नहीं होगा। फिर विधायक ने धरनार्थियों को समझाया की आपकी डिमांड को हर हाल में विभाग पूरा करेगा। बिजली कंपनी के कार्यपालक अभियंता ने भी कहा की हमें समय दीजिये सारी मांगों को पूरा किया जाएगा। धरना पर बैठे सर्वेश पांडेय ने कहा कि यही बात आप लिखकर दीजिये तो हमलोग धरना समाप्त कर देंगे। इस पर विधायक ने पहल करते हुए कहा कि जब आपकों इनकी उचित मांगों को पूरा करने की बात कह ही रहे हैं तो उसे लिखकर देने में क्या परेशानी है। फिर उन्होंने मौके पर उपस्थित बीडीओ से कहा की कार्यपालक अभियंता से लिखित एग्रीमेंट होने के बाद धरना समाप्त करा दीजियेगा, फिर विधायक जरूरी कार्य से वहां से चले गए। विधायक के चले जाने के बाद बीडीओ बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता पर एग्रीमेंट करने का दबाव बनाने लगे। इधर धरनार्थी बगैर एग्रीमेंट का किसी का सुनने वाले नहीं थे। फिर धरनार्थियों को कहा गया की मुख्य जो चार एजेंडा हैं, उसे लिखकर दीजिये, जिस पर समझौता किया जा सके।

फिर धरनार्थियों ने समझौता के लिये जो पत्र बनाया उसमें पहला मांग यह था कि सोमवार से तार बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, इसके पहले साइट पर तार को गिराया जाएगा। फिर समझौता में यह भी शामिल किया गया कि 31 दिसंबर तक जो भी मांगे हैं, उसे पूरा कर दिया जाएगा, फिर नगरवासी नये साल का जश्न मनाएंगे। नगरवासियों की यह बराबर शिकायत रहती है कि जो विभाग द्वारा टॉल फ्री नंबर जारी किया गया है, उसका कोई मतलब नहीं रहता है, इसे कारगर बनाया जाए। इस बात को कार्यपालक अभियंता ने समझौता करते हुए कहा कि इसे शीघ्र आम लोगों के लिये जारी कर दिया जाएगा। फोन पर जो भी समस्या को बताया जाएगा, उसका तत्काल निदान के लिये कर्मी वहां पहुंच सही कर देंगे।

71वीं बीपीएससी की परीक्षा बक्सर में शांतिपूर्ण

70 फीसदी से अधिक परीक्षार्थी हुए शामिल

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) पटना द्वारा आयोजित एकीकृत 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा शनिवार को जिलेभर में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। जिला नियंत्रण कक्ष से मिली आधिकारिक सूचना के अनुसार, परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत संतोषजनक रही। जिले में कुल 10,236 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। इनमें से 7,042 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 3,194 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह करीब 69 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिला प्रशासन की सख्त निगरानी और सतर्क व्यवस्था के चलते पूरे जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। कहीं से भी किसी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था की सूचना प्राप्त नहीं हुई। परीक्षा के दौरान नकलविहीन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे।

एक नजर

तेज बहाव में बहा अज्ञात व्यक्ति, रामरेखा घाट पर मचा हड़कंप

बक्सर । नगर थाना क्षेत्र के रामरेखा घाट पर शनिवार को गंगा स्नान के दौरान एक व्यक्ति के डूबने की घटना से अफरातफरी मच गई। चश्मदीदों के अनुसार, करीब साढ़े तीन बजे वह व्यक्ति स्नान के लिए नदी में उतरा था। कुछ ही देर में तेज बहाव और गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। स्थानीय लोगों ने बचाने का प्रयास किया, मगर असफल रहे। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और खोज अभियान शुरू कराया। गंगा आरती सेवा समिति के पुजारी अमरनाथ पांडे उर्फ लाला बाबा ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष प्रतीत हो रही है। घाट से कपड़े और कुछ सामान बरामद हुआ है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा कि गोताखोरों की मदद से शव की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि गंगा का जलस्तर इस समय चेतावनी बिंदु से ऊपर है, हालांकि खतरे के निशान से थोड़ा नीचे है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि गंगा स्नान के दौरान सावधानी बरतें।

सड़क, रेल दुर्घटना के बचाव से अवगत हुए बच्चे

केसठ। प्रखंड के सभी सरकारी प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत सुरक्षित शनिवार के तहत विद्यालयी बच्चों से मॉक ड्रिल अभ्यास कराकर रेल व सड़क दुर्घटना से बचाव के उपाय की जानकारी दी गई। इस मौके पर विद्यालय प्रधान व फोकल शिक्षक के द्वारा विद्यालय स्तर पर रेल व सड़क दुर्घटना के खतरे व बचाव से संबंधित सभी विद्यालयों के छात्र छात्राओं के बीच मॉकड्रिल अभ्यास करवाया गया। वहीं विद्यालय प्रधानाध्यापक द्वारा बाल प्रेरक के रूप में चयनित बच्चों से इस प्रशिक्षण के माध्यम से अपने विद्यालय व गांव में इसे लेकर लोगों को जागरूक करने की बात कही गयी। वहीं विद्यालय में रेल व सड़क दुर्घटना जागरूकता दिवस के अवसर पर सभी बच्चों को रेल व सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए शपथ भी दिलाई गई। मध्य विद्यालय केसठ में प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार द्वारा रेल, सड़क दुर्घटना के खतरे व उससे तत्क्षण बचाव की जानकारी व बच्चो में इसके प्रति समझ विकसित करने, उनसे निबटने की क्षमता विकास करने का विद्यालय के बच्चों में जानकारी दे जागरूक किया गया। फोकल शिक्षक द्वारा छात्र-छात्राओं को बताया गया कि सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए हमें हमेशा सड़क के बाई ओर चलाना चाहिए।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मठिला में आयोजित हुआ सेवा पखवाड़ा

डुमरांव। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा एवं हर घर संपर्क अभियान का मंडल कार्यशाला का आयोजन डुमरांव प्रखंड के मठिला में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष गुलाबचंद केशरी एवं संचालन महामंत्री गणेश वर्मा ने किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि 18 सितंबर से 25 सितंबर 2025 तक घर-घर जाकर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं को बताना है, ताकि आने वाले चुनाव में फिर से एक बार एनडीए की सरकार बिहार में बने और विकास की रफ्तार चलते रहे। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम भी पार्टी द्वारा किया जाना है जिसे कार्यकर्ताओं को बताया गया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

स्थानीय कलाकारों और बंगाल के कारीगरों की संयुक्त मेहनत से सज रहा पूजा पंडाल

स्टेशन रोड डुमरांव में अखंड एकता दल की भव्य दुर्गा पूजा की तैयारी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्टेशन रोड स्थित शंकर सिनेमाघर के पास इस बार दुर्गा पूजा का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। अखंड एकता दल दुर्गा पूजा समिति ने इस वर्ष भव्य पंडाल और आकर्षक मूर्ति की तैयारी शुरू कर दी है। पूजा समिति का नेतृत्व अध्यक्ष अभय यादव कर रहे हैं, जबकि उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सोनू ओझा और सुरज यादव संभाल रहे हैं। सचिव उपेंद्र राय और कोषाध्यक्ष संटू मित्रा भी तैयारियों में पूरी तरह से जुटे हैं। इस बार पंडाल का निर्माण बंगाल से आए कुशल कारीगर लखन कर रहे हैं। लखन जी अपने अनोखे डिजाइन और कलात्मक शैली के लिए मशहूर हैं। वहीं, दुर्गा माता की मूर्ति बक्सर के शिल्पकार द्वारा बनाई जा रही है, जो स्थानीय कला और संस्कृति का अनोखा संगम प्रस्तुत करेगी। पूजा समिति के अनुसार, इस बार पंडाल का मुख्य आकर्षण चंद्रमा के अंदर विराजमान मां दुर्गा की थीम होगी। इससे भक्तों को अलग ही आध्यात्मिक और भव्य अनुभव मिलेगा। पूजा समिति में बड़ी संख्या में सदस्य सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, जिनमें जितेंद्र कुमार यादव, बुलेट यादव, अरविंद कुमार, पिंटू यादव, संतोष सिंह, जनार्दन वर्मा, धुरान यादव, दिलीप कुमार यादव, अमरेंद्र तिवारी, संजय गुप्ता, बिट्टू गुप्ता, अजय सिंह, ऋषभ सिंह, भूटेली सिंह, हरे नाथ यादव, सोनू यादव, विशाल यादव और अन्य शामिल हैं। सभी सदस्य एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। समिति का कहना है कि इस बार का आयोजन केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होगा बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का भी संदेश देगा। यहां हर वर्ग के लोग मिलकर न केवल माता की आराधना करेंगे बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन-कीर्तन और सामाजिक सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करेंगे। डुमरांव में दुर्गा पूजा का यह आयोजन वर्षों से लोगों की आस्था का केंद्र रहा है, लेकिन इस बार की थीम और सजावट इसे खास बनाने वाली है। स्थानीय लोगों में उत्सुकता पहले से ही बढ़ गई है। उम्मीद की जा रही है कि पूजा के दिनों में यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे और माता के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं पूरी करेंगे।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

वफादारी या गद्दारी! बक्सर सांसद सुधाकर सिंह के सहयोगी व शिक्षा माफिया अरविंद सिंह का बीजेपी-जदयू प्रेम

बक्सर सांसद सुधाकर सिंह के सहयोगी व शिक्षा माफिया अरविंद सिंह

यूपी सरकार में मंत्री बलिया विधायक दयाशंकर सिंह के साथ सांसद सहयोगी व शिक्षा माफिया अरविंद सिंह

बक्सर के वरिष्ठ भाजपा नेता भरत प्रधान के साथ सांसद सहयोगी व शिक्षा माफिया अरविंद सिंह

बक्सर के वरिष्ठ भाजपा नेता भरत प्रधान व धनंजय राय के साथ सांसद सहयोगी व शिक्षा माफिया अरविंद सिंह

पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह के साथ सांसद सहयोगी व शिक्षा माफिया अरविंद सिंह

जांच के दौरान फर्स्ट आइडिया को भुगतान पर मचा बवाल, डीएम ने डीईओ से मांगा स्पष्ट प्रतिवेदन

- **31 जुलाई को किया गया है फर्स्ट आइडिया को 40 लाख रूपए से अधिक का भुगतान**
- **डुमरांव विधायक ने डीएम को पत्र भेज जांच के दौरान फर्स्ट आइडिया को भुगतान पर उठाई है आपत्ति**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के शिक्षा विभाग में कथित माफियागिरी, भ्रष्टाचार तथा सरकारी धन के बंदरबाट तथा नावानगर, डुमरांव व इटाढ़ी प्रखंडो के लिए गलत तरीके से चयनित हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया डिजीटल एप्लीकेशन प्राइवेट लिमिटेड का विवादों से पीछा छूटता नजर नहीं आ रहा है।

अब इस मामले में डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह द्वारा बक्सर डीएम को भेजे पत्र से बवाल मच गया है। इस पत्र के बाद डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने बक्सर के जिला शिक्षा पदाधिकारी से जांच अवधि में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया को 31 जुलाई को किए गए 40 लाख, एक हजार 622 रूपए के भुगतान पर 24 घंटे में जबाव मांगा है।

डीएम ने यह भी पूछा है कि जब फर्स्ट आइडिया के चयन पर अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में जांच चल रहा था तो जांच अवधि में उक्त एजेंसी को भुगतान क्यो किया गया।

यहां बता दें कि डुमरांव विधायक ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि निजी हित में लाभ पहुंचाने के उदेश्य से ही जांच के दौरान उक्त एजेंसी को भुगतान किया गया है। जबकि अधिकारियों के जांच प्रतिवेदन में भी उक्त एजेंसी पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि हो गई है। अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) के नेतृत्व में गठित जांच टीम ने फर्स्ट आइडिया के चयन को दोषपूर्ण मान लिया है। ऐसे में जांच अवधि में उक्त एजेंसी को भुगतान करने से शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ गई है।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि तथाकथित शिक्षा माफिया अजय सिंह व अरविंद सिंह के दबाव में ही स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय द्वारा जांच अवधि में उक्त एजेंसी को भुगतान किया गया है। इससे साफ हो रहा है कि मामले में सिर्फ हाउस कीपिंग एजेंसी ही नहीं बल्कि शिक्षा विभाग के अधिकारी भी घेरे में है।

डुमरांव विधायक के पत्र के बाद जिलाधिकारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी से इस मामले में स्पष्ट प्रतिवेदन मांगने तथा अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) की नेतृत्व वाली जांच समिति द्वारा अपने जांच में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन को दोषी मानने की यदि कड़ियो को जोड़कर देखा जाए तो इस मामले में जांच अवधि में भुगतान के जिम्मेवार शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर गाज गिरनी तय है।

लेकिन, बड़ा सवाल अब यह हो गया है कि क्या जांच में दोषपूर्ण चयन सिद्ध होने के बाद फर्स्ट आइडिया का चयन रद्द होगा तथा उसे भुगतान की गई राशि की रिकवरी ली जाएगी। वहीं, अब शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों में जिलाधिकारी के कार्रवाई के प्रति दिलचस्पी बढ़ गई है कि जिलाधिकारी क्या कार्रवाई करते है तथा इसकी गाज सिर्फ हाउस कीपिंग एजेंसी तक ही सीमित रहेगी या फिर हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन तथा जांच अवधि में अवैध तरीके से भुगतान के जिम्मेवार शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

बता दें कि अक्सर विवादों व अनियमितताओं के कारण सुर्खियों में रहने वाले बक्सर के शिक्षा विभाग में यह पहला मौका है जब जांच के दौरान ही दोषी एजेंसी को 40 लाख रूपए से अधिक का भुगतान कर दिया गया है। यह भुगतान इस बात का प्रमाण बन गया है कि शिक्षा विभाग में तथाकथित माफियाओं का वर्चस्व किस कदर हावी है तथा विभागीय अधिकारी तथाकथित माफियाओं के शिकंजे में इस कदर जकड़ चुके है कि नियमों व प्रशासनिक अधिकारियों तक की परवाह नहीं करते है।

गौरतलब हो कि इसके पूर्व तथाकथित माफिया अजय सिंह की पत्नी के निलंबन टूटते ही उनके समस्त बकाए के भुगतान में भी स्थापना डीपीओ ने दिलेरी दिखाई थी। ये वही स्थापना डीपीओ है जो नियम विरूद्ध एक करोड़ से अधिक रूपए की राशि संवेदकों के बदले अपने सरकारी खाते में पार्क कर लिए। ऐसे में इनके द्वारा जांच अवधि में भुगतान से विभागीय जानकार आश्चर्य नहीं जता रहे है, लेकिन निगाहे जिलाधिकारी के कार्रवाई पर जरूर टिकी है, क्योंकि पहली बार उन्होंने शिक्षा विभाग को छोड़ प्रशासनिक अधिकारियों के जांच की परवाह किए बिना दोषी एजेंसी को भुगतान कर दिया है।

शिक्षिका शोभा सिंह को निलंबनमुक्त करने में डीईओ ने झाड़ा पल्ला, बीडीओ ने बताया मानवीय आधार

- **बिना नियोजन इकाई की बैठक कराए तथा विभाग से मार्गदर्शन लिए सिमरी बीडीओ ने किया है निलंबनमुक्त, तथाकथित दलाल अजय सिंह की पत्नी है शिक्षिका शोभा सिंह**
- **निलंबनमुक्त करने को चुनौती देते हुए लोक शिकायत में दायर किया गया है परिवाद**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के शिक्षा विभाग में सक्रिय तथाकथित दलाल अजय सिंह की शिक्षिका पत्नी शोभा सिंह को नियमविरूद्ध निलंबनमुक्त करना सवालों के घेरे में आ गया है।

इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता आजाद गिरी ने लोक शिकायत में परिवाद दायर कर रखा है। आजाद गिरी की माने तो सुनवाई के दौरान लोक शिकायत पदाधिकारी ने इस मामले में बक्सर के जिला शिक्षा पदाधिकारी से जबाव मांगा था कि आखिर क्यों बिना नियोजन इकाई की बैठक कराए या विभाग से मार्गदर्शन लिए शोभा सिंह को निलंबनमुक्त कर दिया गया। हालांकि, इस मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने साफ पल्ला झाड़ते हुए इसके लिए सिमरी बीडीओ को जिम्मेवार बताया। जिसके बाद लोक शिकायत पदाधिकारी ने सिमरी बीडीओ से भी जबाव मांगा, जिसके जबाव में सिमरी बीडीओ ने बताया है कि वे मानवीय आधार पर नियोजन इकाई की बैठक की प्रत्याशा में उक्त शिक्षिका को निलंबनमुक्त किया गया है। यहां सवाल उठता है कि क्या सिमरी बीडीओ ने इसके अलावे भी किसी अन्य मामले में मानवीय आधार पर फैसला लिया है क्या। वहीं, निलंबनमुक्त करते ही शायद शिक्षा विभाग द्वारा मानवीय आधार पर ही निलंबन अवधि के बकाए का भुगतान भी कर दिया गया है। जबकि इस दौरान निलंबन अवधि में उक्त शिक्षिका के कार्यों का मूल्यांकन, फेस ऐप से बनाए गए हाजिरी की आदि की जांच भी नहीं की गई है। यह भी दिलचस्प संयोग है कि ऐसे नियमविरूद्ध कार्य भी उन्हीं मामलों में किए गए है जहां तथाकथित दलाल अजय सिंह या अरविंद सिंह के नाम जुड़े है। इसके अलावे अन्य किसी मामले में नियमों से छूट देने वाले मामले भी सामने नहीं आए है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है। अब देखना है कि सिमरी बीडीओ के इस जबाव पर लोक शिकायत पदाधिकारी क्या रूख अपनाते है। जबकि, विभागीय नियमों में यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि किसी भी नियोजित शिक्षक को निलंबित करने, चयनमुक्त करने तथा निलंबन तोड़ने की कार्रवाई नियोजन इकाई की बैठक में ही करनी है। नियमावली में इस बात का भी जिक्र है कि यदि प्रमुख का पद रिक्त रहता है तो उप प्रमुख की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी तथा प्रमुख व उप प्रमुख दोनों का पद रिक्त रहने पर विभागीय मार्गदर्शन लिया जाना है। लेकिन, सिमरी प्रखंड के प्रमुख व उप प्रमुख का पद रिक्त होने के बाद बीडीओ ने विभागीय मार्गदर्शन लेना भी मुनासिब नहीं समझा।

पांच दिनों चला आ रहा धरना कार्यक्रम समझौता के बाद समाप्त

- **सात सूत्री मांग को लेकर नगर की स्वयं शक्ति संगठन ने धरना शुरू किया फिर भूख हड़ताल में बदल गया**

केटी न्यूज/डुमरांव

बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर नगर की स्वयं शक्ति संस्था ने विगत पांच दिनों से राजगढ़ चौक पर धरना दे रहा था। इस धरने को लेकर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और कनीय अभियंता काफी बेचौन थे। धरने को तोड़वाने को लेकर उन्होंने धरनार्थियों से कईबार बात की, लेकिन बात नहीं बनी। पांचवें दिन यानि शुक्रवार को देर रात विधायक अजीत कुमार सिंह, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, विद्युत कार्यपालक अभियंता धरनार्थियों से वार्ता शुरू किया। वार्ता के दौरान धरनार्थियों ने कहा की हमारी जो सात सूत्री मांग है, जबतक उसे पूरा नहीं किया जाता है, तबतक कोई स्झौता नहीं होगा। फिर विधायक ने धरनार्थियों को समझाया की आपकी डिमांड को हर हाल में विभाग पूरा करेगा। बिजली कंपनी के कार्यपालक अभियंता ने भी कहा की हमें समय दीजिये सारी मांगों को पूरा किया जाएगा। धरना पर बैठे सर्वेश पांडेय ने कहा कि यही बात आप लिखकर दीजिये तो हमलोग धरना समाप्त कर देंगे। इस पर विधायक ने पहल करते हुए कहा कि जब आपकों इनकी उचित मांगों को पूरा करने की बात कह ही रहे हैं तो उसे लिखकर देने में क्या परेशानी है। फिर उन्होंने मौके पर उपस्थित बीडीओ से कहा की कार्यपालक अभियंता से लिखित एग्रीमेंट होने के बाद धरना समाप्त करा दीजियेगा, फिर विधायक जरूरी कार्य से वहां से चले गए। विधायक के चले जाने के बाद बीडीओ बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता पर एग्रीमेंट करने का दबाव बनाने लगे। इधर धरनार्थी बगैर एग्रीमेंट का किसी का सुनने वाले नहीं थे। फिर धरनार्थियों को कहा गया की मुख्य जो चार एजेंडा हैं, उसे लिखकर दीजिये, जिस पर समझौता किया जा सके।

फिर धरनार्थियों ने समझौता के लिये जो पत्र बनाया उसमें पहला मांग यह था कि सोमवार से तार बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, इसके पहले साइट पर तार को गिराया जाएगा। फिर समझौता में यह भी शामिल किया गया कि 31 दिसंबर तक जो भी मांगे हैं, उसे पूरा कर दिया जाएगा, फिर नगरवासी नये साल का जश्न मनाएंगे। नगरवासियों की यह बराबर शिकायत रहती है कि जो विभाग द्वारा टॉल फ्री नंबर जारी किया गया है, उसका कोई मतलब नहीं रहता है, इसे कारगर बनाया जाए। इस बात को कार्यपालक अभियंता ने समझौता करते हुए कहा कि इसे शीघ्र आम लोगों के लिये जारी कर दिया जाएगा। फोन पर जो भी समस्या को बताया जाएगा, उसका तत्काल निदान के लिये कर्मी वहां पहुंच सही कर देंगे।

नवरात्रि को लेकर डुमरांव में विशेष सफाई बल का हुआ गठन

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में नवरात्र महापर्व को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में नगर स्थित पुराना नप सभागार में कार्यकारी सभापति विकास कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा नगर के सभी पूजा पंडालों और पूरे नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना था। बैठक में कार्यकारी सभापति ने स्पष्ट कहा कि नवरात्रि जैसे बड़े पर्व पर नगर की छवि स्वच्छ और सुंदर दिखनी चाहिए। उन्होंने सफाई व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर में विशेष सफाई बल का गठन किया। इस सफाई बल में नगर के सफाई कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय एनजीओ के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है, ताकि व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जा सके।

लगभग दो घंटे तक चली बैठक में सफाई व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यकारी सभापति ने सभी सफाई कर्मियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन नगर के प्रमुख स्थानों, बाजार क्षेत्रों, मंदिरों और पंडालों की सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पूजा पंडालों के आसपास नालियों की सफाई, कचरा निस्तारण और सड़क पर झाड़ू लगाने की जिम्मेदारी विशेष सफाई बल को सौंपी गई है।

बैठक में मौजूद एनजीओ प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सफाई अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा, ताकि लोग स्वयं भी अपने घरों और आसपास की सफाई पर ध्यान दें। साथ ही, लोगों को खुले में कचरा फेंकने से रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। कार्यकारी सभापति ने इस अवसर पर यह भी कहा कि नवरात्रि में नगर की सुंदरता और स्वच्छता लोगों की आस्था और विश्वास से जुड़ी हुई है। ऐसे में प्रशासन, सफाई कर्मी और सामाजिक संगठन मिलकर नगर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने का काम करेंगे। इस कार्य में नप कर्मी और नगरवासी निगरानी रखते हुए खामियों को उजागर करते हुए, बेहतर करने का काम करेंगे। वहीं सफाई एजेंसी ने कर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान भी प्राथमिकता से किया जाएगा। बैठक में नगर परिषद के पदाधिकारी, सफाई पर्यवेक्षक, कर्मी और एनजीओ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने एकमत होकर नवरात्रि के अवसर पर नगर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने का संकल्प लिया। बैठक में विशेष सफाई बल का गठन आने वाले दिनों में डुमरांव नगर की स्वच्छता व्यवस्था को नई दिशा देगा। नवरात्रि पर्व पर नगरवासी स्वच्छ वातावरण में श्रद्धा और उल्लास के साथ पूजा-अर्चना कर सकेंगे।

निर्वाचन तैयारी की हुई समीक्षा, सेक्टर पदाधिकारियों को दिए कई अहम निर्देश

- **मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन, रूट चार्ट और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान पर जोर**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन ने तैयारियों की रफ्तार तेज कर दी है। इसी क्रम में शनिवार को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता शशि भूषण की अध्यक्षता में सेक्टर पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में चुनाव के दौरान सुचारु मतदान प्रक्रिया और विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर कई अहम दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सभी सेक्टर पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही मतदान केन्द्रों के आसपास वैकल्पिक मार्गों की पहचान करने की बात भी कही गई ताकि आपात स्थिति में सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

रूट चार्ट और विधि-व्यवस्था पर नजर

निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने पदाधिकारियों से कहा कि प्रत्येक मतदान केन्द्र का रूट चार्ट तैयार किया जाए। इसके साथ ही मतदान केन्द्र के आसपास विधि-व्यवस्था की स्थिति का अवलोकन कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। चुनाव के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी मतदान केन्द्रों पर पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और बैठने की सुविधा सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। विशेष रूप से दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प की अनिवार्य व्यवस्था करने पर बल दिया गया।

संवेदनशील और सुभेद्य स्थलों की पहचान

चुनाव के दौरान सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। इसको ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सामाजिक दृष्टिकोण से संवेदनशील स्थलों की पहचान करें। विशेषकर वे क्षेत्र जहाँ साम्प्रदायिक तनाव की संभावना हो सकती है, उनका बारीकी से मूल्यांकन कर शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। समीक्षा बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक मतदान केन्द्र से जुड़े कम से कम पांच स्थानीय व्यक्तियों का नाम, पता और मोबाइल नंबर दर्ज किया जाए। इससे समय-समय पर सूचनाओं का आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा। इसके अतिरिक्त स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जीविका समूहों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों की जानकारी का डाटाबेस तैयार करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में दिए गए इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव प्रक्रिया न केवल निष्पक्ष और पारदर्शी रहे, बल्कि मतदाताओं को सुविधा और सुरक्षा का भरोसा भी मिले।

बच्चों के स्वास्थ्य सुधार को लेकर राजपुर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर प्रशिक्षण

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के उद्देश्य से शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शत्रुंजय कुमार ने की। प्रशिक्षण में बताया गया कि आगामी 16 सितंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में एक से 19 वर्ष तक के बच्चों को अल्बेंडाजोल की खुराक दी जाएगी। वहीं, जो बच्चे इस दिन दवा से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 19 सितंबर को मॉप-अप दिवस के दौरान खुराक दी जाएगी। आशा कार्यकताओं को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे उन बच्चों एवं किशोरियों का सर्वे करें, जो स्कूल में नामांकित नहीं हैं या नियमित रूप से स्कूल नहीं जाते।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षक प्रदीप केवट (गांधी फेलो, पिरामल) और बीसीएम सत्येंद्र कुमार ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन और वीडियो के माध्यम से कृमि मुक्ति दिवस की आवश्यकता, कृमि संक्रमण के लक्षण, इसके दुष्प्रभाव, बचाव के उपाय तथा बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले व्यापक असर की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शत्रुंजय कुमार ने कहा कि यह अभियान बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कृमि संक्रमण न केवल बच्चों के शारीरिक विकास को प्रभावित करता है, बल्कि मानसिक विकास पर भी प्रतिकूल असर डालता है। समय पर दवा मिलने से बच्चों का समग्र स्वास्थ्य सुधरेगा और उनकी शिक्षा व जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी। इस अवसर पर यूनिसेफ से प्रखंड मोबिलाइजेशन कोऑर्डिनेटर राहुल कुमार, शिक्षकगण और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

आरा परिसदन में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जीएसटी सुधार पर एक प्रेस वार्ता

आरा व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन

केटी न्यूज/आरा

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में शनिवार को तीसरा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र कुमार पांडा की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन कर विधिवत उद्घाटन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के शुभारंभ अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय आशुतोष कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, सचिव मनमोहन ओझा, वरीय अभियोजन पदाधिकारी मणिक कुमार सिंह, जिला शासकीय

अधिवक्ता रामधनी भारती, लोक अभियोजक राणा प्रताप सिंह, जिला अग्रणी प्रबंधक नीरज कुमार, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक व भारतीय स्टेट बैंक के पदाधिकारी, न्यायिक पदाधिकारीगण तथा पक्षकारगण मौजूद रहे।सभी अतिथियों ने राष्ट्रीय लोक अदालत की महत्ता और इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आरा व्यवहार न्यायालय में 16 पीठ का गठन, हजारों मामले निष्पादित किया गया। प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र कुमार पांडा ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 16 पीठों का गठन किया गया था। इन पीठों में विभिन्न प्रकार के मामलों को आपसी समझौते के आधार पर निपटाया गया। दिनभर की कार्यवाही के दौरान कुल 1430 मामलों का निष्पादन किया गया। इनमें से बैंक संबंधी 621 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि न्यायालय में लंबित 806 सुलहनीय वादों का समाधान निकाला गया। इसके अलावा बीएसएनएल से संबंधित तीन मामलों का भी निपटारा सफलतापूर्वक किया गया। लोक अदालत का सबसे बड़ा लाभ यह रहा कि पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से करोड़ों रुपये के विवादों का निपटारा हुआ। कुल मिलाकर 7 करोड़ 42 लाख 9 हजार 192 रुपये की राशि आपसी समझौते के तहत तय हुई। यह राशि विभिन्न बैंक मामलों, ऋण वसूली और अन्य विवादित मामलों से संबंधित थी। इससे न केवल पक्षकारों को राहत मिली बल्कि न्यायालय पर लंबित मामलों का बोझ भी कम हुआ।लोक अदालत का लगातार तैयारी का दिखा असर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए पिछले चार महीनों से लगातार तैयारी की जा रही थी। इस दौरान सभी कार्यालय कर्मियों और पारा विधिक स्वयंसेवकों ने मेहनत की। जागरूकता अभियान चलाकर पक्षकारों को लोक अदालत में आने और समझौते के माध्यम से मामले निपटाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यही वजह रही कि बड़ी संख्या में लोग लोक अदालत का हिस्सा बने।राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन से यह साबित हुआ कि आपसी सुलह और समझौते से न केवल विवादों का निपटारा तेजी से संभव है बल्कि पक्षकारों का समय और धन दोनों की बचत होती है। इस अवसर पर न्यायिक पदाधिकारियों ने कहा कि लोक अदालत एक ऐसा सशक्त मंच है जो समाज में न्याय के प्रति विश्वास को मजबूत करता है और न्यायपालिका पर भार कम करने में भी सहायक है।

बसपा के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश ने दिनारा व करहगर में किया जनसभा

- **बहुजन हिताय जागरूकता यात्रा में लोगों का उमड़ा जनसैलाब**

केटी न्यूज/रोहतास

बहुजन समाज पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं बहन मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने शुक्रवार को अपनी बहुजन हिताय जागरूकता यात्रा के तीसरे दिन जिले के दिनारा विधानसभा अंतर्गत दावथ एवं करहगर विधानसभा के करहगर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। मौके पर दावथ में महावीर साह और और करहगर में उदय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की अगुवाई की और हजारों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ आकाश आनंद एवं राजसभा सांसद ई रामजी गौतम का जोरदार

स्वागत किया। करहगर में उदय प्रताप सिंह ने आकाश आनंद को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया मौके पर इस दौरान केंद्रीय प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार, उमाशंकर गौतम, लालजी मेघांकर, एडवोकेट सुरेश राव, प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो भी मौजूद रहे। जबकि सभा को संबोधित करते हुए आकाश आनंद ने कहा कि यह यात्रा केवल चुनावी राजनीति का हिस्सा नहीं है, बल्कि समाज के दबे-कुचले, दलित,आदिवासी, पिछड़े वर्ग और वंचित तबकों को जागरूक करने का एक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी का उद्देश्य सदैव बहुजन समाज के उत्थान और उनके अधिकारों की रक्षा करना रहा है।।आकाश आनंद ने अपने संबोधन में देश के महान समाज सुधारकों जैसे महात्मा ज्योतिबा फुले,छत्रपति शाहूजी महाराज,बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर और कांशीराम जी का स्मरण करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने अपने जीवन को समाज के वंचित वर्गों के उत्थान और उन्हें उनके पैरों पर खड़ा करने के लिए समर्पित किया। इसी परंपरा को आज मायावती जी ने आगे बढ़ाया है और बहुजन समाज पार्टी उसी मार्ग पर चल रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और इस चुनाव में जनता को विशेष सावधानी बरतनी होगी। आकाश आनंद ने चेतावनी दी कि कांग्रेस, बीजेपी और उनकी सहयोगी पार्टियां हमेशा से जातिवादी मानसिकता से ग्रसित रही हैं और उनके शासन में दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न हुआ है। इन दलों ने कभी भी समाज के कमजोर तबकों के वास्तविक विकास की दिशा में ईमानदारी से काम नहीं किया। बसपा नेता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में मायावती जी की सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था का बेहतर उदाहरण देखने को मिला, जहां हर वर्ग को सम्मान मिला और किसी भी धर्म या समुदाय के बीच दंगे नहीं हुए। उन्होंने कहा कि यही बहुजन समाज पार्टी की असली ताकत है और बिहार में भी बसपा सरकार बनने पर हर वर्ग को न्याय और सुरक्षा की गारंटी मिलेगी। सभा में मौजूद जनता से आकाश आनंद ने अपील की कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को भारी बहुमत से जिताकर सत्ता में लाएं। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि बिहार की जनता जातिवादी और पूँजीवादी दलों से छुटकारा पाए और बसपा को अपना समर्थन देकर हाथी चुनाव चिन्ह पर बटन दबाए। वही केंद्रीय प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने कहा कि बीते दो दिनों में इस यात्रा को जनता का खूब समर्थन मिला है। बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी के सिद्धांत को पूरी ईमानदारी से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा महज शक्ति प्रदर्शन नहीं है, बल्कि जनता की वास्तविक समस्याओं को उठाने और अधिकार दिलाने का प्रयास है। बिहार की मौजूदा सरकार जनता को गुमराह करने और ठगने का काम कर रही है।

भोजपुर में रोडवेज विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग, तीन नामजद पर प्राथमिकी

केटी न्यूज/आरा

आरा में नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर स्थित पाल मार्केट के पास शुक्रवार की शाम रोडवेज विवाद को लेकर फायरिंग की घटना हुई। जिससे इलाके में सनसनी फैला दी। पुलिस ने दारोगा दीपक कुमार के बयान पर तीन लोगों के खिलाफ नामजद ऋक्रफदर्ज की है,प्राथमिकी में जगदेव नगर मोहल्ला निवासी राजा कुमार, आर्यन कुमार तथा रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के मझौली गांव निवासी अमित सम्राट उर्फ अमित रंजन को आरोपित बनाया गया है। पाल मार्केट के पास चार युवक खड़े थे जब एक बुलेट बाइक सवार युवक ने उन्हें रास्ते से हटने को कहा। नोकझोंक बढ़ी और देखते ही देखते एक युवक ने फायरिंग कर दी। गोली चलने के बाद बुलेट सवार युवक बाइक छोड़कर भाग निकला, जबकि अन्य युवक भी बाइक लेकर फरार हो गए। सूचना पर नवादा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी ने बताया कि घटनास्थल से कोई खोखा बरामद नहीं हुआ है। हालांकि, आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गोली चलने के बाद बुलेट सवार युवक बाइक छोड़कर भाग निकला, जबकि चारों युवक बाइक लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मची।

घटना के बाद इलाके में मची अफरा-तफरी

गोली चलने के बाद बुलेट सवार युवक बाइक छोड़कर भाग निकला, जबकि अन्य युवक भी बाइक लेकर फरार हो गए। सूचना पर नवादा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी ने बताया कि घटनास्थल से कोई खोखा बरामद नहीं हुआ है। हालांकि, आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गोली चलने के बाद बुलेट सवार युवक बाइक छोड़कर भाग निकला, जबकि चारों युवक बाइक लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में मची अफरा-तफरी ।

शांति नेत्रालय अस्पताल में आयुष्मान कार्ड योजना से मरीजों की होगी निःशुल्क उपचार

केटी न्यूज/रोहतास

जिला में राज्य सरकार ने पहली बार योजना का विस्तार करते हुए चैनपुर में स्थित शांति नेत्रालय अस्पताल को आयुष्मान योजना का शुभारंभ किया गया है। जो कि कैमूर जिला के लिए यह सौभाग्य की बात है। क्यों कि अभी तक कैमूर जिला में आंख के संबंधित ईलाज के लिए आयुष्मान कार्ड से नहीं जोड़ा गया था। लेकिन अब लोगों के बीच इस अस्पताल से जोड़ कर योजना का लाभ देने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। जिससे जिला वासियों में खुशी देखा जा रहा है। खासकर इसके लिए गरीब जनता को एक बड़ी राहत मिली है। पैसा के अभाव में अपने आंख का ईलाज नहीं करा पाते थे। लेकिन वैसे गरीबों को एक बड़ी राहत मिली है। इस संबंध में चैनपुर शांति नेत्रालय अस्पताल के चिकित्सक डॉ चन्द्र शेखर सिंह ने बताया कि कैमूर जिला में पहली बार शांति नेत्रालय अस्पताल को आयुष्मान कार्ड योजना से जोड़ा गया है। जिससे यहां इस योजना का

आयुष्मान कार्ड धारी लाभ ले सकते हैं। जो कि इसमें आंख के संबंधित हर तरह की ईलाज किया जायेगा। और मोतियाबिंद ऑपरेशन भी इस योजना से लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां पर जिला एवं अन्य स्थानों से जनता आकर योजना का लाभ ले सकती है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से अभी तक कई लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया है। और आपरेशन के साथ दवा कंबल भी निशुल्क दिया गया है। जिससे सभी लोगों से अपील है कि शांति नेत्रालय अस्पताल चैनपुर में आकर इस योजना का शीघ्र ही लाभ लेकर अन्य मरीजों को भी इसकी जानकारी दे।

आज बिहार के 25 से ज्यादा जिलों में होगी वर्षा, मौसम विभाग का अलर्ट

केटी न्यूज/पटना

बिहार में आज 27 जिलों में येलो अलर्ट हुआ जारी, अररिया-किशनगंज जैसे जिलों में ऑरेंज अलर्ट। मानसून की वापसी से बारिश का दौर, बाढ़ का खतरा बढ़ा. बिहार में मानसून एक बार फिर से दम दिखाने जा रहा है। शनिवार को पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने 27 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक के आसार हैं। वहीं, अररिया और किशनगंज जैसे सीमावर्ती जिलों में अति भारी वर्षा की आशंका के कारण ऑरेंज अलर्ट लगाया गया है। सुपौल, पूर्णिया, जमुई और नवादा में भी भारी बारिश का अनुमान है। यह अलर्ट अगले 3-4 दिनों तक जारी रह सकता है। मानसून की यह वापसी बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी भरी हवाओं और उत्तर बिहार में बने निम्न दबाव क्षेत्र की वजह से हुई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सिस्टम 17-18 सितंबर तक सक्रिय रहेगा, जिससे राज्य भर में मूसलाधार बारिश का दौर चलेगा। दक्षिण बिहार के भागलपुर, बांका, मुंगेर जैसे इलाकों में भी इसका असर दिखेगा। जहां एक तरफ यह बारिश उमस भरी गर्मी से राहत देगी, वहीं दूसरी तरफ जलजमाव, सड़कें टूटना और बाढ़ जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। पिछले 24 घंटों में चनपटिया (पूर्वी चंपारण) में सबसे ज्यादा 156.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। राजधानी पटना में आज सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और हल्की

फुहारें पड़ रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, यहां अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25-27 डिग्री के बीच रहेगा। तेज हवाओं के साथ चमक-गरज की संभावना है, लेकिन जलजमाव की वजह से शहर की सड़कें फिर से जाम हो सकती हैं। पूरे बिहार में औसत तापमान 32-36 डिग्री के आसपास रहेगा जो 2-3 डिग्री की गिरावट के साथ सामान्य से थोड़ा कम होगा। किशनगंज में सबसे ज्यादा 33.7 डिग्री का पारा दर्ज हुआ है, लेकिन बारिश ने उमस को काफी हद तक कम कर दिया।

एक नजर

अनुकंपा नौकरी विवाद में विधवा महिला को ससुराल में किया गया कैद

रोहतास सखी वन स्टॉप सेंटर और पुलिस ने किया रेस्क्यू

रोहतास । जिला के बड़हरी थाना क्षेत्र के लकड़ा गांव में एक विधवा महिला को उसके ससुराल वालों से बचाया गया है। महिला के पति की 4 महीने पहले बीमारी से मौत हो गई थी। पीड़िता के पिता के अनुसार, ससुराल वाले उसकी बेटी को घर में बंद करके रखते थे। उसे भरपेट खाना नहीं दिया जाता था। पानी और बिजली के उपयोग पर भी मारपीट की जाती थी। किसी से बात करने की भी अनुमति नहीं थी। पुलिस की मदद से महिला को बचाया सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी आफरीन तरन्नुम को जब इस मामले की जानकारी मिली, तो उन्होंने पुलिस की मदद से महिला को बचाया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद का मुख्य कारण पति की मृत्यु के बाद मिलने वाली अनुकंपा नौकरी है। सासाराम एसडीपीओ कुमार वैभव ने बताया कि महिला को सुरक्षित बचाकर उसके परिवार को सौंप दिया गया है। सखी वन स्टॉप सेंटर की ओर से पीड़िता को आगे भी मदद की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

छापेमारी कर विद्युत चोरी में पांच लोगों पर जुर्माना के साथ प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज । विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर निरंतर चलाये जा रहे अभियान तहत सूर्यपुरा थाना क्षेत्र में अवैध ढंग से विद्युत ऊर्जा चोरी करने वाले उपभोक्ताओं के परिसर की जांच किया गया । जांच दौरान पाया गया कि मुख्य सर्विस तार में मीटर से पहले कटिंग करके एवं मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर खंडुआ गांव निवासी संतोष साह पर 19298 रुपए,गमहीरा साह 12982 रुपए, रामेश्वर साह 14327 रुपये जुमार्ना लगाई गई है। जो बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए व बिना मीटर अधिष्ठापन के अवैध रूप से सर्विस तार खिंचकर विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी। जिसको लेकर इमिरता निवासी राज कुमार सिंह 17839 रुपए व भागवत सिंह 14803 रुपये जुमार्ना लगाई गई है। इस संबंध में बिक्रमगंज सहायक विद्युत अभियंता राज कुमार द्वारा बताया गया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नही कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का सघन जांच की जा रही है। जिनके स्मार्ट प्रीपेड मीटर का लाइन बकाया रहने के कारण स्वतः कटा हुआ है। वह अपना बकाया राशि जमा करने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें। जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं। वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं। वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में उप प्रमुख को धमकाने वाले दो लोग गिरफ्तार

रोहतास । जिला क्षेत्र के ग्राम टेकरी में शनिवार को ग्रामीणों ने दो लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने शराब के नशे में चेनारी प्रखंड के उप प्रमुख विकास कुमार को कट्टा दिखाकर धमकाया और गाली-गलौज की। पकड़े गए आरोपियों की पहचान संजय पांडे,पिता किशन पांडे,ग्राम सोनहर, थाना शिवसागर) और धर्मेंद्र पाठक,पिता विनोद पाठक, ग्राम भवाडीह, थाना कारगहर के रूप में हुई है। एसपी रौशन कुमार ने बताया कि दोनों की जांच ब्रेथ एनालाइजर से की गई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। इसके बाद चिकित्सीय जांच भी कराई गई और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में आवेदक द्वारा लिखित आवेदन दिया जा रहा है। पुलिस आरोपियों पर विधिसम्मत कार्रवाई कर रही है।

आरा के लोगों की बल्ले-बल्ले, तीन ट्रेनों के नियमित परिचालन की हुई शुरूआत

आरा। जंक्शन के इतिहास में आज का दिन बेहद खास रहा, जब दानापुर रेल मंडल के अंतर्गत तीन ट्रेनों का नियमित परिचालन शुरू हुआ। इस शुभ अवसर पर आरा के सांसद सुदामा प्रसाद और आरा के विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेनों को रवाना किया। सुबह 5:40 बजे आरा से जयनगर जाने वाली ट्रेन को सांसद सुदामा प्रसाद ने रवाना किया। इसके बाद शाम 6:30 बजे कोलकाता जाने वाली ट्रेन को सांसद और विधायक दोनों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं, रात 8:45 बजे कामख्या, सिलीगुड़ी और न्यू जलपाईगुड़ी तक जाने वाली ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर आरा जंक्शन से रवाना किया गया। सांसद और विधायक दोनों ने मिलकर जहां जनता को नई सौगात दी, वहीं भविष्य में और भी बेहतर रेल सुविधाओं का भरोसा दिलाया।

करंट का कहर, 28 मवेशियों की दर्दनाक मौत, एनएच-31 जाम

कटिहार । बिहार के कटिहार से एक बड़ी खबर निकल कर सामने आ रही है। जहां जिले के कोढ़ा थाना क्षेत्र के मूसापुर में निकल कर सामने आ रहा है। जहां नहर किनारे मवेशी चर रहे थे कि अचानक हाईवोल्टेज तार टूटकर जमीन पर गिर पड़ा। चंद मिनटों में करेंट पूरे इलाके में फैल गया और 28 मवेशी मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत के आगोश में समा गए।जानकारी के अनुसार, कोढ़ा थाना क्षेत्र के मूसापुर गांव में हर तरफ चीख-पुकार और मातम का माहौल है। किसान अपने मरे हुए मवेशियों को पकड़कर बिलख रहे हैं। ग्रामीणों का साफ आरोप है कि यह हादसा बिजली विभाग की घोर लापरवाही का नतीजा है। उनका कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद तार की मरम्मत नहीं की गई और अब इसकी कीमत बेगुनाह मवेशियों की जान से चुकानी पड़ी है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीण सड़क पर उतर आए और एनएच-31 को जाम कर दिया। सैकड़ों की भीड़ इकट्ठा होकर बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगी। प्रदर्शनकारियों ने मांग रखी कि मरे हुए मवेशियों के मालिकों को तुरंत मुआवजा दिया जाए और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुँचा और गुस्साए लोगों को शांत कराने की कोशिश की। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच होगी और पीड़ित किसानों को हरसंभव मदद दी जाएगी।

राजनीति से कोई लेना-देना नहीं : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

बोधगया पहुंचे पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, बोले-संतों का अपमान करना मूर्खता, ऐसी चीजों से बचना चाहिए

- चार दिन करेंगे गयाजी में प्रवास, कराएंगे पिंडदान, कहेंगे कथा
- 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा निकाली जाएगी

एजेंसी। पटना

बोधगया पहुंचे बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि संतों के बारे में किसी को भी अपमानजनक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि अगर किसी ने फायरिंग यह कहकर की है कि संतों का अपमान हुआ था, तो यह बिल्कुल गलत है। किसी भी संत के बारे में बोलना मूर्खता है। किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमारी अपनी आस्था है, आप मत सुनिए। आपकी अपनी आस्था है, आपको अच्छा नहीं लगता तो मत देखिए। जैसे पाकिस्तान हमें अच्छा नहीं लगता, तो हम वहां नहीं जाते। आपको अच्छा लगता है तो जाइए। किसी पर प्रतिक्रिया करना या शब्दों से प्रहार करना मूर्खता है। ऐसी चीजों से बचना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री ने स्पष्ट किया कि उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, इसलिए वे राजनीतिक बयान नहीं देते। उन्होंने बताया कि वे हर साल पितृपक्ष में गया आते हैं और इस बार भी भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की प्रार्थना करेंगे। पितृपक्ष मेले के बीच बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का शिष्यों ने स्वागत किया। उसके बाद पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सड़क मार्ग से बोधगया प्रवास स्थल के लिए निकल गए। कल वे यहां अपने शिष्यों के साथ पितरों की आत्मशांति के लिए पिंडदान, तर्पण और त्रिपिंडी श्राद्ध कराएंगे। साथ ही एकादश भागवत कथा का आयोजन भी होगा। गयाजी तीर्थ के पुरोहित गजाधर लाल कटरियार ने इस यात्रा से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शास्त्री के पूर्वज भी गया आकर अपने पितरों का पिंडदान और तर्पण कर चुके हैं। उनके वर्षो पुराने बही-खाते में इसका उल्लेख और हस्ताक्षर मौजूद है। उन्होंने बताया कि वे 13 सितंबर से 16 सितंबर तक गया प्रवास करेंगे। इस दौरान अपने शिष्यों और भक्तों को एकादश भागवत कथा सुनाएंगे और श्राद्ध कार्य कराएंगे। हालांकि, इस दौरान उनका दिव्य दरबार आयोजित नहीं होगा। वहीं, कथा एवं श्राद्ध कार्य सम्पन्न कराएंगे। मालूम हो कि वर्ष 2024 में भी उन्होंने इसी स्थान पर अपने शिष्यों के साथ कथा कराई थी।

उन्होंने कहा कि 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा निकाली जाएगी, जिसके लिए बिहार की जनता से आह्वान करेंगे। अगली बार बिहार में दिव्य दरबार भी लगाया जाएगा। फिलहाल दिल्ली से वृंदावन तक पदयात्रा चल रही है, उसके बाद बिहार में भी पदयात्रा होगी। उनका कहना है कि देशभर में जनजागृति फैलाना जरूरी है और बिहार उनका घर है। नेपाल हिंसा पर उन्होंने कहा कि भारत को सावधान रहने की आवश्यकता है। नेपाल में शांति स्थापित होनी चाहिए और पड़ोसी मुल्कों को समझने की जरूरत है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : रैलियों के लिए हेलीकॉप्टरों की बुकिंग शुरू

एजेंसी। पटना

बिहार में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने वाली है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, राजनीतिक दलों की गतिविधियां भी तेज होती जा रही हैं। इस बार चुनाव प्रचार का सबसे बड़ा हथियार हेलीकॉप्टर यानी ह्यउड़न खटोलाह्ल बन चुका है। नेताओं को कम समय में ज्यादा जनसभाएं करने और राज्य के कोने-कोने तक पहुंचने के लिए हेलीकॉप्टर का सहारा लेना पड़ रहा है। यही वजह है कि चुनाव से पहले ही हेलीकॉप्टरों की बुकिंग जोर-शोर से शुरू हो चुकी है। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में हेलीकॉप्टरों का जबरदस्त इस्तेमाल हुआ था। उस समय विपक्ष का मोर्चा संभाल रहे तेजस्वी यादव ने रोजाना 14 से 16 जनसभाएं की थीं। एक दिन तो उन्होंने 19 जनसभाएं करके रिकॉर्ड बना दिया था। यह सब संभव हुआ था हेलीकॉप्टर की वजह से। चुनावी रणनीति में यह साबित हो गया कि हेलीकॉप्टर नेताओं के लिए समय बचाने और अधिक जनसमर्थन जुटाने का सबसे बड़ा साधन है। इस बार बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में स्थिति और भी रोचक होने वाली है। पटना एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, चुनाव प्रचार के दौरान हर रोज 20 हेलीकॉप्टर आसमान में उड़ान भरेंगे। एनडीए और महागठबंधन दोनों ही गुटों ने एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है। एनडीए की ओर से रोजाना 14 से 15 हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जाएगा।

बिहार सरकार प्रदेशवासियों को लगातार दे रही विकास की सौगातें

बिहार में शिक्षा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आएगा बड़ा बदलाव, तीन प्रमुख भवनों का उद्घाटन जल्द

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार प्रदेशवासियों को लगातार विकास की सौगातें दे रही है। इसी क्रम में सितंबर माह में तीन अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाना है, जो राज्य के लिए शिक्षा, विज्ञान और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान करेंगी। ये तीन परियोजनाएं हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) का नया मुख्यालय, और बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का आधुनिक परिसर। राज्य आपदा मोचन बल (रऊफ्रू) का नया मुख्यालय बिहटा के दिलावरपुर में 25 एकड़ भूमि पर 287.52 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। यह अत्याधुनिक परिसर प्रशासनिक भवन, क्वार्टर मास्टर स्टोर, ट्रेनिंग ब्लॉक, हेड कॉन्स्टेबल और डिप्टी कमांडेंट आवास जैसी संरचनाओं से सुसज्जित है। यहां एक राष्ट्रीय स्तर का अत्याधुनिक स्विमिंग पूल भी निर्मित किया जा रहा है, जो आपदा स्थितियों में बचाव कार्यों के प्रशिक्षण में सहायक सिद्ध होगा। प्रशिक्षण और आवास की सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त यह केंद्र राज्य के रऊफ्रूजवानों की क्षमता और दक्षता को बढ़ाएगा। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने जानकारी दी है कि शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर उद्घाटन की योजना बनाई जा रही है, ताकि इसका लाभ जल्द ही प्रदेश को मिल सके। बिहार सरकार पशुपालन और पशु विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के आधुनिक परिसर का निर्माण करा रही है। अब तक विश्वविद्यालय परिसर में 14 प्रमुख भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जिनमें डेयरी इंजीनियरिंग भवन, प्रशासनिक ब्लॉक, पशु प्रयोगशाला, फीड विश्लेषण लैब, यूजी/पीजी हॉस्टल, कुलपति आवास शामिल हैं। परिसर को ग्रीन बिल्डिंग फीचर्स के साथ डिजाइन किया गया है, जिससे पर्यावरण संतुलन का भी ध्यान रखा गया है। छात्रों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त हॉस्टल बनाए गए हैं और एक 1200 सीटों वाला विशाल ऑडिटोरियम भी निमार्णाधीन है, जो शैक्षणिक आयोजनों में सहायक होगा। यह संस्थान पशुपालन, डेयरी टेक्नोलॉजी, रिसर्च और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का निर्माण पटना में मोइन-उल-हक स्टेडियम के निकट 20.5 एकड़ भूमि पर किया जा रहा है। यह परियोजना राज्य में विज्ञान शिक्षा और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पहले चरण में साइंटिस्ट्स गैलरी और बेसिक साइंस गैलरी में 47 विज्ञान प्रदर्श स्थापित किए जा चुके हैं। कुल मिलाकर, पांच गैलरियों में 269 विज्ञान प्रदर्शों को स्थापित किया जाएगा। यह साइंस सिटी खास तौर पर युवा पीढ़ी में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने, इनोवेशन को प्रेरित करने और शैक्षणिक संस्थानों को सहयोग देने में सहायक सिद्ध होगी। यहां बच्चों, छात्रों, शिक्षकों और शोधकताओं के लिए प्रैक्टिकल लर्निंग और विजुअल डेमोंस्ट्रेशन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन तीनों प्रमुख परियोजनाओं के उद्घाटन से बिहार को शिक्षा, विज्ञान और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। सरकार द्वारा सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। ये परियोजनाएं न सिर्फ सामाजिक और शैक्षणिक विकास को गति देंगी, बल्कि बिहार के समग्र और टिकाऊ विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होंगी।

जेपी नड्डा के पहुंचने से ठीक पहले भाजपा दफ्तर के बाहर संविदा कर्मियों का प्रदर्शन, हंगामे के कारण बैठक का स्थान बदला

एजेंसी। पटना

पटना में शनिवार को बीजेपी कार्यालय के बाहर विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आगमन से ठीक पहले हुआ। नड्डा पार्टी नेताओं के साथ बैठक करने वाले थे। हंगामे के कारण अब नड्डा बीजेपी दफ्तर में बैठक नहीं करेंगे। बीजेपी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर रहे कर्मियों से बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मुलाकात की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मामले में विभागीय मंत्री से चर्चा करेंगे। हंगामे के कारण जेपी नड्डा के कार्यक्रम में बदलाव कर दिया गया है। अब जेपी नड्डा बीजेपी दफ्तर नहीं जाएंगे बल्कि सर्किट हाउस में ही पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बता दें कि दो दिन पहले भी इसी स्थान पर संविदा कर्मियों ने प्रदर्शन किया था, जिसके दौरान पुलिस द्वारा लाठीचार्ज भी किया गया था। इस दौरान कई कर्मियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई थीं। अब राजस्व विभाग की ओर से इन कर्मियों को राहत मिलती नजर आ रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन संविदाकर्मियों की सेवा समाप्त की गई थी, वे अब इस आदेश के खिलाफ अपील कर सकते हैं।

बिहार में पुलिस की बड़ी सफलता! एके-47 और कई हथियार के साथ जिंदा कारतूस बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

आरा। बिहार के भोजपुर जिले से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है, जहां पटना एसटीएफ ने शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 3 और 6 में संयुक्त छापेमारी कर भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, पटना एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि शाहपुर थाना क्षेत्र में एके-47 जैसे घातक हथियारों की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पटना एसटीएफ ने शाहपुर पुलिस के साथ मिलकर तुरंत संयुक्त कार्रवाई की, जिसमें 1 एके-47 राइफल, 1 बंदूक, 2 पिस्टल, 2 देशी कट्टा, 1 रिवॉल्वर और 70 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इस छापेमारी में दो तस्करों को मौके से गिरफ्तार भी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ जारी है, और रळ्रूको आशंका है कि यह एक अंतरराज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का हिस्सा हो सकते हैं।

वैशाली में सोनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दस अपराधी गिरफ्तार, लूट और चोरी का सामान बरामद

एजेंसी। पटना

वैशाली जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र में कुछ दिनों पहले अपराधियों ने यात्रियों को पिस्टल दिखाकर और मारपीट कर तीन लूट की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसमें अपराधियों ने तीन मोटरसाइकिल, मोबाइल, नकदी और सोने का लॉकेट लूट लिया था। इस मामले में सोनपुर थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी बीच, सोनपुर के भरपूरा इलाके में एक घर का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी और सोना-चांदी के गहने भी चुरा लिए थे। लगातार हो रही इन घटनाओं को देखते हुए सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक ने तुरंत कार्रवाई करने और लूटे गए सामान की बरामदगी का निर्देश दिया। निर्देश के बाद सोनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने छापेमारी शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 10 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से लूटे गए मोटरसाइकिल, मोबाइल, नकदी और आभूषणों के साथ-साथ गृहभेदन में चोरी किए गए रुपये और गहने भी बरामद किए गए हैं। इनमें से छह अपराधी हथियार के साथ नई वारदात की योजना बनाते हुए पकड़े गए। दो अपराधी चोरी की वारदात के दौरान रंगे हाथों गिरफ्तार हुए और दो लोग लूटे गए मोबाइल व मोटरसाइकिल को खरीदने और छुपाने के आरोप में पकड़े गए। पुलिस ने इस संबंध में सारण के ग्रामीण एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी।

पटना से त्रिवेणीगंज जा रही स्लीपर बस कंटेनर से टकराई आधा दर्जन यात्री घायल

पटना। बिहार की राजधानी पटना से सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज जा रही एक स्लीपर कोच बस शनिवार सुबह मधुबनी जिले के झंझारपुर में एक बड़े सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब देव ट्रैवल्स की बस ने एनएच-27 पर संग्राम पुल के पास एक कंटेनर में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए, हालांकि गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई और सभी घायलों की हालत स्थिर है। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह लगभग 5 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि कंटेनर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे पीछे आ रही तेज रफ्तार बस को रुकने का मौका नहीं मिला और वह सीधे कंटेनर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और बस के अंदर बैठे यात्री डर के मारे चीखने-चिल्लाने लगे।

अभिनेता सोनू सूद और फिटनेस फेम रजत दलाल ने किया बिहार स्पोर्ट्स महासंग्राम का भव्य अनावरण

- सोनू सूद बोले, बिहारी युवा में है हजार पर भारी होने का दम

एजेंसी। पटना

पटना। होटल पनाश, गांधी मैदान पटना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार स्पोर्ट्स महासंग्राम का भव्य अनावरण मशहूर अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद तथा फिटनेस फेम रजत दलाल ने किया। इस अनोखी पहल का उद्देश्य खेलों के माध्यम से बिहार की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाना है। यह पहल बिहार के 38 जिलों के 800+ स्कूलों और 1 लाख से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने जा रही है। आयोजकों ने बताया कि इस महासंग्राम को राज्य के हर कोने तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे गाँव से लेकर शहर तक का हर युवा अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर पा सके। इस अवसर पर सोनू सूद ने कहा कि बिहार के बच्चों में जबरदस्त हुनर है। पता नहीं लिट्टी-चोखा में क्या जलवा है, लेकिन जब भी मौका मिलता है, बिहारी युवा मैदान पर छा जाते हैं। हमें चाहिए कि पैरेंट्स पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के लिए भी बच्चों को प्रोत्साहित करें। तभी कहा जाएगा एक बिहारी, हजार पर भारी, जब वे मेडल लेकर लौटेंगे। फिटनेस आइकॉन रजत दलाल ने कहा कि मौजूदा दौर में युवा डिजिटल दुनिया में खोते जा रहे हैं और फील्ड से दूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा स्पोर्ट्स हमारी जिंदगी को बेहतर बनाते हैं। ऐसे मुहिम से युवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और वे अपनी असली प्रतिभा सामने ला पाएंगे। जब सही अवसर और समय दिया जाएगा, तभी ये खिलाड़ी बिहार और देश दोनों के लिए मेडल जीतेंगे।

सुभाषितम्

जो आत्म अनुशासन नहीं रख सकता, वह दूसरों को अनुशासन का पाठ कैसे पढ़ा सकता है। - सूत्रकृतांग

कमजोर हो रहा है लोकतंत्र

पिछले 50 वर्षों में लोकतांत्रिक मूल्यों में सबसे बड़ी गिरावट 2019 से 2024 के बीच में देखने को मिली है। लोकतांत्रिक देश जो पहले दुनिया में मीडिया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए जाने जाते थे पिछले 5 वर्षों में उनके ऊपर भी बड़ा शिकंजा कसा गया है। 2024 में 173 देश के लोकतांत्रिक प्रदर्शन का आकलन द ग्लोबल स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी-2025 की रिपोर्ट में हुआ है, जिसने दुनिया के 173 देश में लोकतांत्रिक मूल्यों में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त की है। प्रकाशित रिपोर्ट में संसदीय कार्यों में गिरावट देखने को मिल रही है। मीडिया को निष्पक्षता से काम नहीं करने दिया जा रहा है। न्यायपालिका में भी सरकारी हस्तक्षेप बढ़ता चला जा रहा है, जिसके कारण लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। लोगों का मीडिया और न्यायपालिका के प्रति विश्वास कम हुआ है। राजनीतिक नेतृत्व को लेकर भी आम लोगों का विश्वास घटा है, जिसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं कमजोर होती चली जा रही हैं। पिछले 5 वर्षों में 43 देशों में लोकतंत्र के इंडेक्स में भारी कमी देखी गई है। इसमें अफ्रीका के साथ-साथ यूरोप के देश शामिल हैं। भारत और दक्षिण कोरिया के भी हालत तेजी के साथ बिगड़ रहे हैं। यहां मीडिया के पर कतरने के लिए पत्रकारों के खिलाफ मानहानि के मामले और आपराधिक मामलों की जैसे बाढ़ आ गई है। अमेरिका जैसे देश भी इससे अछूते नहीं रहे। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं उसके बाद से नियमों और संस्थाओं की परंपराओं को काफी हानि पहुंची है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता में भी ट्रंप प्रशासन की दखलंदाजी बढी है। भारत जो चुनाव की निष्पक्षता को लेकर दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश माना जाता था यहां पर भी पिछले 10 वर्षों से चुनाव की निष्पक्षता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। भारत के मीडिया को गोदी मीडिया कहा जाने लगा है। भारत का नेशनल मीडिया जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट दोनों ही शामिल हैं, यह सरकार के दबाव में ही काम कर रहे हैं, जिसके कारण जनता का उनके प्रति कोई विश्वास नहीं रहा। हाल ही के वर्षों में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर लोगों में अविश्वास बढ़ता जा रहा है। हाल ही में श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और भारत में जिस तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं उसने सारी दुनिया के देशों को चिंता में डाल दिया है। यूरोप के देशों में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। जिसके कारण अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और भारत जैसे देशों में जन समुदाय सड़कों पर आकर हिंसक प्रदर्शन करने लगा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में बार-बार बल प्रयोग करना पड़ रहा है। उसके बाद भी जिस तरह बांग्लादेश और नेपाल में सत्ता परिवर्तन हुआ है, नेताओं पर हमले किए गए, न्यायपालिका पर हमले किए गए, चुनाव आयोग के प्रति लोगों को विश्वास नहीं रहा। सारी दुनिया के देश अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं को लेकर उनका अनुसरण करते थे। वहीं अमेरिका अब सूची में 35 वें स्थान पर आकर खड़ा हो गया है। नागरिक अधिकारों के बारे में भी 32 वें स्थान पर आकर खड़ा हो गया है। मानव अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को लेकर बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका जैसे कई देशों ने पारदर्शी और विश्वसनीय चुनाव के माध्यम से अपने लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। जिन देशों में पहले लोकतंत्र बहुत अच्छा था उनकी हालत निरंतर गिरती जा रही है। इसको लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। जर्मनी स्विट्जरलैंड नॉर्वे और लक्जमवर्ग और यूरोप के कुछ देशों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। कोस्टा रिका चिल्ली और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश लोकतांत्रिक देश के हर मायने पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले देश हैं। दुनिया के वह लोकतांत्रिक देश जहां पहले मानव अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं सबसे बेहतर थीं वहां धार्मिक कट्टरता के माध्यम से सत्ता की सीढ़ी बनाकर सत्ता में पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके कारण धार्मिक आधार पर सत्ता पर पहुंचने के लिए जिस तरह से कट्टरता बढ़ रही है, मानव अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

चिंतन-मनन

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सद्गुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भी भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूं, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छे तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो। यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है, संभवतः पूरे संसार के मन में, कि वे निकम्मे और नालायक लोग, आध्यात्मिक लोग होते हैं, क्योंकि वे तथाकथित आध्यात्मिक लोग जैसे वैसे ही हो गए हैं। वे लोग जो किसी भी चीज को करने के लायक नहीं हैं, वे बस यही करते हैं कि एक गेरुआ वस्त्र पहन कर और किसी मंदिर के सामने बैठ जाते हैं। उनका जीवन सँवर जाता है। यह अध्यात्म नहीं है, यह वर्दी पहनकर बस भीख माँगना है। अगर तुम्हें अपनी चेतना पर विजय प्राप्त करनी है, अगर तुम्हें अपनी चेतना के शिखर पर पहुँचना है, वहाँ एक भिखारी कभी नहीं पहुँच सकता। दो तरह के भिखारी होते हैं। गौतम बुद्ध तथा उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूँगा कि एक सड़क का भिखारी तथा राजगद्दी पर बैठा हुआ एक राजा, दोनों ही भिखारी हैं। वे निरन्तर बाहर से कुछ माँग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आय माँग रहा हो। राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर विजय, खुशी या कुछ इस तरह की अनर्गल चीजें माँग रहा हो। क्या तुम देखते हो, हर व्यक्ति किसी न किसी चीज की भीख माँग रहा है: गौतम बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा माँगी, शेष चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे।

श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य ही श्राद्ध है

- रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरूआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशार्वाद प्राप्त होता है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है। श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। इसलिए हिंदु धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

ये जेन जी - जेन जी क्या है..ये जेन जी?

- संजीव शर्मा

जब से नेपाल में आंदोलन और सत्ता में बदलाव की खबरें मीडिया में दौड़ रही हैं तब से जेन जी और नेपो किड्स जैसे शब्द घर-घर में सुनाई देने लगे हैं। हालांकि नेपो किड्स हमारे देश में नया शब्द नहीं है क्योंकि मनोरंजन जगत और खासतौर पर बॉलीवुड, खेल, व्यवसाय एवं राजनीति जैसे तमाम क्षेत्रों में इसका भरपूर इस्तेमाल होता आ रहा है।

सामान्य रूप से समझे तो नेपो किड्स शब्द नेपोटिज्म से लिया गया है, जिसका सामान्य अर्थ है भाई-भतीजावाद। यह तमगा उन युवाओं के लिए इस्तेमाल होता है जो अपने परिवार के प्रभाव के कारण राजनीति, मनोरंजन, फिल्म, खेल, व्यवसाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आसानी से अवसर प्राप्त कर लेते हैं। इन पर यह आरोप लगता है कि वे प्रतिभा या मेहनत के बजाय अपने परिवार के नाम पर सफलता हासिल कर रहे हैं। हालांकि कई मामलों में यह बात सही नहीं है क्योंकि नेपो किड्स में कई युवा वाकई प्रतिभाशाली होते हैं और वे अपनी लगन, मेहनत और कौशल से लंबी रेस का घोड़ा साबित होते हैं। जहां तक मौजूदा वक्त के सबसे चर्चित शब्द जेन जी या जेनरेशन जेड की बात है तो यह शब्द आमतौर पर उन युवाओं के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। जैसे भारतीय संदर्भ में परदादा, दादा, पिता और बेटे के जरिए पीढ़ियों को समझा जाता है उसी तरह पश्चिमी संदर्भ में पीढ़ियों को अलग अलग नाम से वगीकृत किया गया है। फिलहाल जेन जी सबसे युवा पीढ़ी है जो डिजिटल युग में पग कर एवं रच बसकर तैयार हुई है। यह पीढ़ी इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के साथ बड़ी हुई है इसलिए कुछ लोग इन्हें डिजिटल नेटिव्स भी कहते हैं। जेन जी को तकनीकी दक्षता, सामाजिक जागरूकता और वैश्विक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता के लिए भी जाना जाता है। ऐसा भी नहीं है कि पीढ़ियों का नामकरण कोई पहली बार हो रहा है। दशकों से पश्चिमी समाज में बदलती पीढ़ियों को उनके दौर और तात्कालिक घटनाओं के मुताबिक अलग अलग दिलचस्प नामों से संबोधित किया जाता रहा है। मसलन नामकरण की इस श्रृंखला की सबसे पहली एवं 1883झ1900 के बीच जन्मी पीढ़ी को लॉस्ट जेनरेशन कहा जाता है। यह पीढ़ी प्रथम विश्व युद्ध के समय की थी। इस समूह ने युद्ध और सामाजिक उथल-पुथल का सामना किया। इसके बाद की पीढ़ी को नाम मिला ग्रेटेस्ट जेनरेशन। इसमें 1901झ1927 के बीच जन्में लोगों को शामिल किया गया। देशभक्ति, कठिन परिश्रम और सामूहिक बलिदान से अपनी पहचान बनाने वाली इस पीढ़ी ने प्रथम विश्व युद्ध का प्रत्यक्ष अनुभव किया था। इसके बाद नंबर आता है साइलेंट जेनरेशन का। हालांकि इस नाम का इनके चुप/मौन रहने से कोई मतलब नहीं है बल्कि मौन रहकर परिश्रम करने से है। इस पीढ़ी में 1928झ1945 के बीच जन्में लोग शामिल किए गए। इस पीढ़ी ने युद्ध के बाद पुनर्निर्माण का दौर देखा है और अपनी मेहनत से अपना संसार रचा था। साइलेंट जनरेशन के बाद आई पीढ़ी के नामकरण की वजह भी बहुत ही दिलचस्प है। इन्हे बेबी बूमर्स कहा जाता है और इसमें 1946झ1964 के बीच जन्में लोग शामिल हैं। दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जन्म दर में एकाएक हुई वृद्धि के कारण इस पीढ़ी को यह नाम मिला। यह पीढ़ी आर्थिक समृद्धि, सामाजिक परिवर्तन और उपभोक्तावाद के लिए भी जानी जाती है। मौजूदा वक्त में अपनी कलम, लेखन, परिश्रम, विचारों और आविष्कारों से दुनिया को समृद्ध करने वाली और अब अधेड़ हो चली पीढ़ी को जेनरेशन कहा जाता है। इसमें 1965झ1980 के बीच जन्में हम जैसे तमाम लोग शामिल हैं। हमारी यह पीढ़ी इस मामले में सबसे खास है कि इसने परंपराओं और तकनीकी बदलावों को साथ-साथ जिया है। जेन एक्स ने लैंडलाइन फोन से लेकर पेजर एवं मोबाइल फोन के विकास तक और कैसेट से फ्लॉपी,सीडी, डीवीडी, पेन ड्राइव और अब क्लाउड स्टोरेज तक का लंबा परन्तु तेजी से बदलता सफर तय किया है। इसके बाद आती है जेनरेशन वाय अर्थात वो लोग जिन्होंने 1981झ1996 के बीच जन्म लिया है। हम कह सकते हैं कि इसमें हमारे परिवार के बड़े बच्चे शामिल हैं। यह पीढ़ी डिजिटल क्रांति के शुरूआती दौर में जवान हुई है और तकनीक समझ के साथ इसके अनुभवों से भी सराबोर है। अब आती है बारी बहुचर्चित जेनरेशन जेड या जेन जी की। यह हमारी युवा पीढ़ी है क्योंकि इन्होंने 1997झ2012 के बीच जन्म लिया है। मोबाइल, गेमिंग, सोशल मीडिया में डूबती उतराती इस पीढ़ी के सदस्य अधिकतम 25 से 28 साल के युवा हैं और इन्हें पढ़ाई, नौकरी, बढ़िया लाइफ और व्यक्तिगत हितों की सबसे ज्यादा फिक्र है। इसलिए यह पीढ़ी दुनिया भर में धमा चौकड़ी मचाए हुए है। ऐसा नहीं है कि पीढ़ियों का यह वर्गीकरण जेन जी पर आकर रुक गया है बल्कि इनके पीछे पीछे एक नई पीढ़ी तैयार हो गई है जिसे जेनरेशन अल्फा नाम मिला है। इसमें 2013 से लेकर मौजूदा साल यानि 2025 तक पैदा हुए बच्चे शामिल हैं। यह मानव सभ्यता की सबसे नवीनतम पीढ़ी है, जो पूरी तरह से 21वीं सदी में जन्मी है। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि पीढ़ियों का यह वर्गीकरण मोटे तौर पर जन्म वर्ष, सामाजिक-आर्थिक घटनाओं, और सांस्कृतिक बदलावों के आधार पर किया जाता है। प्रत्येक पीढ़ी को उस समय की प्रमुख घटनाओं और मूल्यों के आधार पर परिभाषित किया जाता है और उसी के मुताबिक उनका नामकरण किया जाता है। बस, सोचने वाली बात यह है कि जब जेन जी दुनिया भर में ऐसा जबरदस्त हड़कंप मचाए हुए है तो जनरेशन अल्फा क्या और कितना कमाल नहीं करेगी।

देखन में छोटा लगे.... घाव करें गंभीर

-ओमप्रकाश मेहता

अदने से नेपाल का महान प्रजातांत्रिक राष्ट्रों को सबक...! आज दुनिया में जितने भी कथित रूप से प्रजातांत्रिक देश है, उनकी स्थिति किसी से भी छुपी नहीं है, कहने को इन देशों में प्रजातंत्र है, किंतु इनमें प्रजा तंत्र पर नहीं, तंत्र प्रजा पर हावी है, किंतु अब एक छोटे से नेपाल देश ने दुनियां के महान प्रजातांत्रिक राष्ट्रों को सही प्रजातंत्र का सबक सिखा दिया है। नेपाल की प्रजा इसके लिए बधाई की पात्र है। हमारे देश की आजादी के कुछ समय बाद ही यहां के नेताओं ने वास्तविक प्रजातंत्र पर कब्जा कर प्रजातंत्र को तंत्रप्रजा में बदल दिया था। अर्थात तंत्र यानी नेताओं की सरकार आगे और उसके पीछे प्रजा, किंतु अब नेपाल की प्रजा ने विश्व के अमेरिका, चीन, रूस जैसे कथित प्रजातंत्रिय देशों को सही प्रजातंत्र का रूप दिखा दिया है, जिसमें प्रजा ने तंत्र को दिखा दिया है कि प्रजा ही सर्वसर्वा है तंत्र नहीं। अब नेपाल के विद्रोह को चाहे जन-आक्रोश कहो या साजिश? किंतु दोनों के ही अर्थों में मूल प्रजातंत्र छिपा है। नेपाल में चल रहा यह विद्रोह भारत के लिए ही नहीं बल्कि विश्व के महान कथित प्रजातांत्रिक देशों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। क्योंकि नेपाल चौथी चिंता है, इसके पहले श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान भारत के लिए चिंता के विषय बन चुके हैं। यह सब क्योंकि हमारे पड़ोसी देश है और हम इनसे घिरे हुए हैं, इसलिए हमारी चिंता और बढ़ जाती है, क्योंकि हमारे देश में भी इन देशों की तरह ही नेतागिरी हावी है, अर्थात तंत्र हावी है प्रजा पर?। अब आज यह एक अलग सोच का विषय है कि यह आंदोलन महज एक संयोग है या सोची-समझी साजिश? किंतु पड़ोसी देशों में हो रहे विद्रोह के यह प्रयोग भारत में इसी प्रकार का अराजक आंदोलन करने का पूर्वाभ्यास तो नहीं? यह प्रश्न इसलिए भी है, क्योंकि पूर्व में इस प्रकार का आंदोलन खड़ा करने की असफल कोशिशें भारत में भी की जा चुकी है, इसलिए हमें इस दिशा में सक्रिय, सजक व जागरूक रहना बेहद जरूरी हो गया है। इसके साथ ही नेपाल हमें यह भी सबक सीखा रहा है कि जिसके सहारे या सहयोग से नेतागण सत्ता में आते हैं, वे ही बैसाखियां उन्हें कभी भी धोखा दे सकती है। नेपाल के पूर्व शासक ओली साहब जिस ताकत के दम पर सत्ता में आए थे, उन्हीं ताकतों ने उनकी कुर्सी छीन ली और भारत का विरोध कई दृष्टि से उनके लिए भारी सिद्ध हुआ। यद्यपि ओली हर बार सत्ता में राष्ट्रवाद और चीन-भारत समीकरण का इस्तेमाल कर ताकत जुटाते रहे, उन्होंने कभी माओवादी, कभी कांग्रेस तो कभी छोटे राजनीतिक दलो से भी सौदेबाजी कर गठबंधन बनाए, साथ ही बार बार भारत के खिलाफ बयानबाजी और नक्शे के मुद्दे को भुनाकार लोकप्रियता पाने की कोशिशें की किंतु भ्रष्टाचार, सत्ता का दुरुपयोग और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगातार उनके साथ जुड़ा रहा और अंततः उनका व उनकी सरकार का क्या हश्र हुआ? यह सब आज सबके सामने है। इस प्रकार कुल मिलाकर नेपाल आज भारत सहित दुनियां के कथित रूप से महान प्रजातांत्रिक देशों को यही संदेश दे रहा है कि प्रजातंत्र में प्रजा ही सबकुछ है तंत्र कतई नहीं, इसलिए प्रजा की उपेक्षा तंत्र के लिए कभी भी भारी पड़ सकती है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है, जिससे तनाव कम होगा।

तुला प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था तो आपको अब कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।

वृषभ व्यापार के मामले में आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक आर्थिक मामलों में दिन मजबूत रहने वाला है। धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

मिथुन संपत्ति की प्राप्ति हो सकती हो सकती है। कार्यक्षेत्र में काम अधिक होने के चलते ज्यादा व्यस्त रहेंगे।

धनु आपके सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है, साथ ही, आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

मकर व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूल लाभ प्राप्त होगा, जिससे सुकून महसूस होगा।

सिंह कार्यक्षेत्र में आपको कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जो आपके पक्ष में होंगे।

कुंभ संपत्ति से जुड़े मामलों में सतर्क रहना होगा, अन्यथा किसी मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या आर्थिक मामलों में आपको कुछ जरूरी कार्यों पर धन खर्च करना पड़ सकता है।

मीन आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिससे सुखद परिणाम प्राप्त होने की संभावना है।

विशेष

जीएसटी कटौती से कितना लाभ?

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी की दरों को घटाने की घोषणा की थी। सरकार ने जीएसटी की दरों को घटा दिया है। नवरात्रि के प्रथम दिन से यह टेक्स घट जाएगा। खाने पीने की आवश्यक वस्तुएं शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित सामग्री की दरों में कमी कर दी गई है। 12 की जगह 18 तथा 40 फीसदी में जिन वस्तुओं को शामिल किया गया है। उसको लेकर आम जनता को कोई लाभ मिलने वाला नहीं है। कर विशेषज्ञों का कहना है, सरकार ने एक जेब में पैसे डाले और उसी जेब से पैसे निकालकर सरकार की जेब में डालने का काम किया है। वाहवाही भी मिल गई और सरकार के टैक्स में कोई कमी भी नहीं आएगी। लोग कहने लगे हैं, मोदी सरकार के चमत्कार का कोई मुकाबला नहीं है। मोदी के समंमोहन के सामने लोगों के सोचने समझने की क्षमता ही खत्म हो जाती है।

राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव,वोट अधिकार यात्रा बिहार में निकले थे। समापन के दिन राहुल गांधी ने कहा था, जल्द ही वह हाइड्रोजन बम फोड़ने वाले हैं। अभी तक राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम सामने नहीं आया है। इसको लेकर भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला करना शुरू कर दिया है। पहले भी राहुल गांधी ने बम फोडा,लेकिन कोई असर नहीं हुआ। अब हाइड्रोजन बम का कोई असर होगा, ऐसा दिखता नहीं है। चुनाव आयोग के सामने जब सुप्रीम कोर्ट बेबस है। एसआईआर पर चुनाव आयोग जो चाहता है, वही कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट बार-बार निर्देश और आदेश देती है।ऐसी स्थिति में राहुल गांधी कोई भी बम फोड़ें,उसे फुस्स होना ही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1500: एड्रो अल्वारेज कैब्राल ने कालीकट पहुंचने के बाद यूरोपीय देशों का पहला कारखाना लगाया. 1586: ब्रिटेन की रानी एलिजाबेथ प्रथम की हत्या की साजिश के सिलसिले में एंथोनी बैरिंगटन और उनके सहयोगियों पर मुकद्दमा चला. 1929: प्रसिद्ध क्रांतिकारी जतीन्द्र नाथ दास का निधन 63 दिन भूख हड़ताल के बाद हुआ. 1943: च्यांग काई शेक चीन के राष्ट्रपति बने. 1948: हैदराबाद के खिलाफ पुलिस कार्यवाही की गई. 1966: बी.जे.वोर्सटर दक्षिण अफ्रीका के प्रधानमंत्री बने. 1970: इजरायल ने अधिकृत जार्डन से 450 अरबों को गिरफ्तार कर उन्हें छापामारों द्वारा बंधक बनाए गए इजरायलियों के बदले रिहा करने की घोषणा की. 1975: अमरीकी रक्षा विभाग ने यूरोप में अपने आठ हजार सैनिकों की वापसी की योजना रद्द कर दी. 1986: इराकी विमानों ने ईरान के पांच वायुसैनिक अड्डों पर बमबारी की.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

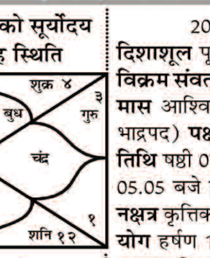

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.06 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.17 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.31 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.52 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.39 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.42 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.22 बजे से
		मिथुन	23.20 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कर्क	01.34 बजे से
		सिंह	03.50 बजे से

2025 वर्ष का 256 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 07.24 बजे तदनन्तर सप्तमी 05.05 बजे प्रातः को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 10.12 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 10.33 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.24 बजे, विष्टि 18.12 बजे तदनन्तर बव 05.05 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 47'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872466
जूलियन दिन 2460931.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 20
विशेष सप्तमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मामा-भांजी सहित एक साथ उठी तीन अर्थियां

दहाड़े मारकर रो रही थी मां

लोदना/अलकडीहा, एजेंसी। लोदना आठ नंबर बस्ती में बुधवार की शाम खाली व जर्जर आवासों के गिरने से नौ लोग मलबे में दब कर घायल हो गए थे। जिसमें में मामा-भांजी सहित तीन लोग अपनी जान गवां बैठे।

मुआवजा की मांग को लेकर गुरुवार को तीनों शवों का पोस्टमार्टम के बाद बीसीसीएल के लोदना क्षेत्रीय कार्यालय गेट पर रख दिया था। शुक्रवार को प्रबंधन, यूनियन व स्वजन के बीच त्रिपक्षीय वार्ता में तीनों मृतक के आश्रित को मानवता के आधार पर सहायता के तौर पर कुल सात लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा।

जिसमें पांच लाख रुपये तत्काल व दो लाख रुपये एक माह बाद भुगतान की जाएगी। मृतक के बच्चों को डीएवी में वर्ग 12 तक निशुल्क शिक्षा कि व्यवस्था, मृतक के एक आश्रित को आउटसोर्सिंग या बीसीसीएल के अनुदानित विद्यालय में नियोजन कि व्यवस्था व घायल व्यक्तियों का अशर्फी अस्पताल में इलाज की व्यवस्था करने पर सहमति बना। जिसके बाद करीब 24 घंटे के बाद तीनों मृतकों का शव लोदना क्षेत्रीय कार्यालय से उठाया गया। वार्ता में मुंद्रिका पासवान, बिहारीलाल चौहान, संजीत सिंह, ललन पासवान, अनिल सिंह, मृणालकांत सिंह, दीपक सिंह, संजय यादव, छोटू सिंह, रविकांत पासवान, शिवकुमार सिंह, संजय पासवान, रुदल पासवान, नागेश्वर पासवान, मो. अली अहमद, रीना पासवान, राजाराम भुइयां सहित अन्य थे।

प्रबंधन की ओर से जीएम जीएम निखिल बी त्रिवेदी, एजीएम परवेज आलम, पीओ एसके सिन्हा, संजीव कश्यप, मुकेश कुमार, सौरभ कुमार, झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार, जोड़ापोखर अंचल निरीक्षक आशुतोष कुमार थे। वहीं, दूसरी और वार्ता के दौरान कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात थे।

वार्ता के बाद तीनों का शव लोदना पहुंचा। शव पहुंचते ही स्वजन के चित्कार से कोहराम मच गया। मामा-भांजी सहित तीन शवों के एक साथ उठने से हर आंखों से आंसू निकल रहे थे। चिराग का शव पहुंचते ही उसके पिता करमू पासवान, बहन दिव्या व संस्कृति दहाड़े मार कर रोने लगी। बड़ा भाई सचिन शव को एक टक निहारता रहा। मां सुमित्रा की आंसू ही सुख गए। उसके गले से आवाज भी नही निकल रहा था। बस इशारे में अपने पुत्र को अंतिम बार देखने की इच्छा जताई पर वह भी नहीं हो सका।

पोस्टमार्टम के कारण मां व स्वजन चिराग को अंतिम बार भी नही देख पाए। वहीं, सुषमा की मां नीलम देवी, बहन सोनी व गोपाल की पत्नी प्रियंका, पिता व मां कौशल्या के आंसू थम नही रहे थे। गोपाल की पत्नी ने कहा कि वह अपने बच्चों के लिए दुकान बिस्कुट लाने गए थे, बारिश के कारण जर्जर आवास में छुप गए और हमसे हमारा सहारा छीन गया।

शव पहुंचने के बाद आस पास के लोगों की भीड़ जुट गई। सभी ने घटना के लिए बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग प्रबंधन को जिम्मेदार बता कर जमकर कोसा।

लोगों ने कहा कि बस्ती के बीच से सड़क बनाने के लिए आउटसोर्सिंग कंपनी के संचालक व लोग दबंगई कर रहे है। लोगों को जबरन हटाया जा रहा है पर जर्जर आवास को गिराने का काम नहीं कर रहा है।

गुरुवार को वार्ता बेनतीजा होने के बाद मृतक के स्वजन शुक्रवार को वार्ता की आस लगाए बैठे थे पर दोपहर दो बजे तक क्षेत्रीय कार्यालय में किसी अधिकारी के नही पहुंचने पर स्वजन व स्थानीय लोगों का धैर्य जवाब दे दिया।

आक्रोशित लोगों ने झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग क्षेत्रीय कार्यालय गेट के सामने सड़क पर बैठ कर सड़क जाम कर दिया। लोगों ने प्रबंधन विरोधी नारेबाजी करने लगे। मौके पर मौजूद पुलिस ने लोगों को समझा कर शांत किया। करीब आधा घंटे के बाद सड़क जाम हटा। पुलिस ने प्रबंधन से बात कर वार्ता के लिए बुलाया। उसके बाद वार्ता शुरु हुई।

गेट नही खोलने पर पुलिस से भी हुई नोंक-झोंक : मुआवजा के लिए वार्ता शुरु होने के बाद प्रबंधन ने अंदर से कार्यालय का गेट बंद कर दिया। जिस कारण लोगों को अंदर जाने नही दिया जा रहा था। स्थानीय लोग व स्वजन वार्ता में जाने के लिए गेट खोलने की मांग कर हंगामा करने लगे पर गेट नही खोला गया। इस दौरान लोग प्रबंधन विरोधी नारेबाजी कर हंगामा करने लगे। लोगों को समझाने के लिए पुलिस अधिकारी गए तो उनके साथ भी नोंक-झोंक करने लगे। इस दौरान पुलिस ने काफी संयम से काम लिया। वहीं, झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार ने पुलिस से नोंक-झोंक की बात से इनकार किया।

दूसरे दिन भी बंद रहा जयरामपुर सुशी आउटसोर्सिंग : घटना के बाद से बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग प्रबंधन भी सकते में है। बुधवार की रात से ही प्रबंधन ने जयरामपुर सुशी असाउटसोर्सिंग, लोदना क्षेत्र के नौ व छह नंबर साइडिंग, कुजामा डिस्पैच बंद रखा था। हालांकि यह बंदी किसी ने नहीं कराई। प्रबंधन ने सुरक्षा कारणों से बंद रखा।

प्रधान डाकघर धनबाद में अब रात आठ बजे तक होगी पत्र और पार्सल की बुकिंग

धनबाद, एजेंसी। डाक विभाग ने मेल सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब धनबाद प्रधान डाकघर में पत्र और पार्सल की बुकिंग सुबह नौ से रात आठ बजे तक की जा सकेगी। पहले यह सुविधा केवल शाम पांच बजे तक ही उपलब्ध थी। इसके बाद भी कई ग्राहक कामकाजी व्यस्तता या समय की कमी की वजह से सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाते थे। अब लोग देर शाम तक भी स्पीड पोस्ट, स्पीड पार्सल, साधारण पत्र सहित अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। सेवा समय बढ़ाए जाने के बाद विभाग ने कर्मियों की कार्यप्रणाली में भी बदलाव किया है। अब प्रधान डाकघर में कर्मचारी दो शिफ्टों में काम करेंगे, ताकि सुबह से लेकर रात तक बिना किसी बाधा के ग्राहकों को सेवाएं दी जा सकें। विभाग का मानना है कि इससे न केवल ग्राहकों को सुविधा होगी, बल्कि मेल सेवाओं की विश्वसनीयता और भरोसा भी और मजबूत होगा।

81 सर्वाधिक असुरक्षित स्थानों से हटाये गये 318 कोलकर्मी

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल झरिया मास्टर प्लान के कार्यान्वयन में अब तक सर्वाधिक असुरक्षित स्थानों से 318 कर्मियों की शिफ्टिंग करा पायी है, जबकि कंपनी का लक्ष्य 649 कर्मियों की शिफ्टिंग है। क्वार्टर आवंटन के बावजूद 331 कर्मियों की शिफ्टिंग अभी नहीं हुई है। बीसीसीएल के आंकड़ों पर गौर करें, तो अगस्त महीने में कंपनी का लक्ष्य 108 कर्मियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्टिंग थी। किंतु एरिया प्रबंधन 47 कर्मियों की ही शिफ्टिंग करा सका है। यानी लक्ष्य का करीब 43 ।52 प्रतिशत कर्मियों की शिफ्टिंग हो सकी है। बता दें कि झरिया मास्टर प्लान के तहत भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से बीसीसीएल कर्मियों को सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वासित करने के लिए कंपनी ने 15,713 क्वार्टरों का निर्माण कराया है। इसमें 8000 क्वार्टर जेआरडीए को सौंपे गये हैं।, जबकि शेष 7713 क्वार्टरों में बीसीसीएल कर्मियों की शिफ्टिंग की जानी है। बीसीसीएल के आंकड़ों के मुताबिक, 7031 क्वार्टर कंपनी के विभिन्न एरिया को आवंटित कर दिये गये हैं, परंतु शत-प्रतिशत कर्मियों की शिफ्टिंग अब तक नहीं हो सकी है। हालांकि शिफ्टिंग कार्य में पहले के मुकाबले तेजी जरूर आयी है। बीसीसीएल के आंकड़ों के मुताबिक, 81 सर्वाधिक असुरक्षित स्थानों से कुल 331 कर्मियों की शिफ्टिंग शेष है। इसमें सर्वाधिक 259 कर्मियों की शिफ्टिंग पीबी एरिया से होनी है। जबकि इजे एरिया से 61 व लोदना से 11 कर्मियों की शिफ्टिंग होनी है। बीसीसीएल प्रबंधन ने असुरक्षित स्थानों से हर माह 90 कर्मियों की शिफ्टिंग का लक्ष्य रखा है। सितंबर, अक्तूबर व नवंबर माह तक कुल 270 कर्मियों की शिफ्टिंग का लक्ष्य है। बीसीसीएल के 81 सर्वाधिक असुरक्षित जेएमपी साइटों से चालू वित्त वर्ष में 649 क्वार्टरों को ध्वस्त करने का लक्ष्य था। इसके मुकाबले कंपनी प्रबंधन 292 क्वार्टरों को ही ध्वस्त करा सकी है। जबकि 357 क्वार्टर ध्वस्त करना शेष है। सिर्फ अगस्त माह में कंपनी का लक्ष्य 110 क्वार्टर ध्वस्त करने का था। इसके मुकाबले कंपनी ने 56 क्वार्टर ध्वस्त किये है, जो लक्ष्य का 50 ।91 प्रतिशत है।

सीआईएसएफ में शुरू हुई नए डीजी की तलाश, तीन अफसर हैं बड़े दावेदार

बोकारो, एजेंसी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी इसी माह 30 सितंबर 2025 को अपने पद से रिटायर होने वाले है। इससे पूर्व उनके कार्य विस्तार को लेकर एक प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा गया था, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अस्वीकृत कर दिया है। इसके साथ ही अब सीआईएसएफ में नए महानिदेशक की तलाश प्रारंभ कर दी गई है। सीआईएसएफ में डीजी का पद एक अक्टूबर 2025 से रिक्त हो जाएगा। इससे पहले ही गृह मंत्रालय पद की अर्हता रखने वाले योग्य एवं कुशल अधिकारी के चयन की प्रक्रिया में जुट गई है। इसका कारण यह है की देश की औद्योगिक संस्थान, परमाणु उर्जा संयंत्र, सरकारी भवन, विरासत स्थल के अलावा सभी हवाई अड्डों की सुरक्षा सीआईएसएफ के जिम्मे है। इस लिहाज से यहां महानिदेशक का पद काफी महत्वपूर्ण है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ में नए डीजी के पद पर बी श्रीनिवासन, पीयूष आनंद व प्रवीर रंजन सबसे प्रबल दावेदार के रूप में माने जा रहे है। तीनों भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी है तथा अपने अपने कार्यक्षेत्र में सबसे कुशल एवं योग्य अधिकारी के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। बी श्रीनिवासन बिहार कैडर के 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी है तथा वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड यानी की एनएसजी के महानिदेशक पद पर कार्यरत है। इनकी सेवानिवृति 31 अगस्त 2027 को है। इसी प्रकार पीयूष आनंद उत्तर प्रदेश कैडर के 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी है तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के महानिदेशक पद पर कार्यरत है इसी प्रकार एजीएमयूटी 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रवीर रंजन जो की वर्तमान में एडीजी एयरपोर्ट सीआईएसएफ के पद पर कार्यरत है, इन तीनों अधिकारी की दावेदारी नए महानिदेशक पद के लिए सबसे प्रबल मानी जा रही है।

भदानीनगर में ग्लास फैक्ट्री फिर से खुलने की राह पर, हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

लपंगा (रामगढ़), एजेंसी। रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड अंतर्गत भदानीनगर में पतरातू-रामगढ़ फोरलेन के किनारे स्थित ग्लास फैक्ट्री एक बार फिर खुलने की सुगबुगाहट सें सुर्खियों में है। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक वर्षों से बंद पड़ी ग्लास फैक्ट्री को 2025 के अंत तक दोबारा शुरू करने की तैयारियां चल रही हैं। अंदरखाने की मानें तो भदानीनगर के इंडो असाही ग्लास फैक्ट्री को चालू करने के लिए लगभग तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सूत्रों के अनुसार फैक्ट्री के मालिक विजय जोशी झारखंड सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं और कागजी कार्यवाही को तेजी से पूरा किया जा रहा है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो यह फैक्ट्री एकबार फिर न केवल हजारों लोगों को रोजगार देगी, बल्कि क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि का नया अध्याय भी लिखेगी। यह ग्लास फैक्ट्री, जिसे आईएजी ग्लास फैक्ट्री के नाम से जाना जाता है, का इतिहास उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। वर्ष 2008 में छत्तीसगढ़ के उद्योगपति विजय जोशी ने इसे खरीदा था और इसे फिर से शुरू करने की कोशिश की। हालांकि, पुरानी तकनीक और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण यह फैक्ट्री एक साल बाद ही बंद हो गई। इसके बाद 2011, 2014 और 2015

में भी इसे कई बार शुरू करने की कोशिश की गई, लेकिन हर बार यह कुछ महीनों से ज्यादा नहीं चल सकी।

आखिरी बार अक्टूबर 2016 में यह फैक्ट्री बंद हुई और तब से यह पूरी तरह ठप पड़ी है। फैक्ट्री के बंद होने का सबसे बड़ा खामियाजा यहां के 2,000 कर्मचारियों को भुगतना पड़ा, जिनमें 1,600 स्थायी और 400 ठेका कर्मचारी शामिल थे। इन कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक तंगी और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।कई कर्मचारी इस उम्मीद में दुनिया से चले गए कि फैक्ट्री फिर से खुलेगी, जबकि उनके आश्रितों को जीवनयापन के लिए भारी संघर्ष करना पड़ा। अब, एक बार फिर इस फैक्ट्री को खोलने की कोशिश हो रही है।सूत्रों के अनुसार, विजय जोशी ने फैक्ट्री को बेचने की बजाय इसे फिर से शुरू करने का फैसला किया है। उनके अन्य राज्यों में चल रही फैक्ट्रियों का अनुभव इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।झारखंड सरकार भी इस पहल में पूरा सहयोग दे रही है। सरकार ने फैक्ट्री को फिर से शुरू करने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है, जिसके तहत कागजी कार्यवाही को तेजी से पूरा किया जा रहा है।हालांकि जानकारों का मानना है कि वर्षों से बंद पड़ी इस फैक्ट्री को फिर से शुरू करना आसान नहीं होगा। पुरानी तकनीक, वित्तीय चुनौतियां और बाजार में प्रतिस्पर्धा जैसे कई मुद्दों से निपटना होगा।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 111 अस्पतालों के बकाया भुगतान को मंजूरी, नए प्रस्तावों पर भी चर्चा

रांची, एजेंसी। आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत उन 111 अस्पतालों के बकाया भुगतान का रास्ता साफ हो गया है, जिनका भुगतान लंबे समय से रोक कर रखा गया था।

शुक्रवार को विकास आयुक्त अविनाश कुमार की अध्यक्षता में झारखंड राज्य आरोग्य समिति की शासी परिषद की हुई बैठक में कुल 212 अस्पताल के दावों पर चर्चा हुई, जिसके बाद 111 अस्पतालों को भुगतान करने का निर्णय लिया गया।

इन अस्पतालों का बकाया भुगतान लगभग एक वर्ष से लंबित था। जांच में इनके दावे में कोई त्रुटि सामने नहीं आई। इस बैठक में योजना के बेहतर संचालन को लेकर कई अन्य निर्णय भी लिए गए।

बैठक में समिति में विभिन्न पदों के सृजन पर भी सहमति बनी। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी परिषद को वय वंदना योजना (सड़क दुर्घटना में त्वरित चिकित्सकीय सहायता) और स्माइल (ट्रांसजेंडर के लिए विशेष) योजना से अवगत कराया गया।

बैठक में यह भी बात भी सामने आई कि देशभर के कई ऐसे मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल हैं, जो अभी तक सूचीबद्ध नहीं हैं। ऐसे चिन्हित अस्पतालों में वास्तविक दर पर इलाज के बाद बीमा कंपनी को अग्रिम राशि देकर भुगतान की व्यवस्था पर चर्चा की गई। साथ ही लाभुकों को सीजीएचएस दर पर प्रतिपूर्ति देने पर भी विचार किया गया।

राज्य के बाहर स्थित प्रतिष्ठित अस्पतालों में उपचार के बाद भुगतान की व्यवस्था कार्पस फंड से सुनिश्चित करने पर भी विचार किया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, समिति की कार्यकारी निदेशक डॉ. नेहा अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

गहन जांच के बाद सभी जिलों से आ चुकी रिपोर्ट

बैठक में कार्यकारी निदेशक ने बताया कि सभी जिलों से जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है और रिपोर्ट संतोषजनक है। जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अतिरिक्त डॉक्टरों की टीम द्वारा प्रत्येक अस्पताल की गहन जांच की गई है।

जांच के बाद भुगतान करने अथवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के निर्देशानुसार कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया, जिसे शासी परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया।

आदिवासी महा दरबार 14 को, 3 राज्यों के 2000 से अधिक माझी बाबा होंगे शामिल

जमशेदपुर, एजेंसी। बिष्टुपुर स्थित एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में रविवार 14 सितंबर को आदिवासी सांवता सुसार अखड़ा की ओर से आदिवासी महा दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें झारखंड, बंगाल व ओडिशा के करीब 2 हजार से अधिक माझी बाबा शिरकत करेंगे और अपने वजूद को बचाने व राज्य सरकार के गलत नीतियों के खिलाफ आंदोलन का आह्वान करेंगे। इसमें बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन शामिल होंगे। यह जानकारी शुक्रवार को आदिवासी सांवता सुसार अखड़ा के पंचानन सोरेन, सोनाराम मार्डी, कृष्णा हांसदा, सुबोध मूर्मू व संजय मुर्मू ने बिष्टुपुर निर्मल गेस्ट हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दी।

उन्होंने बताया कि आदिवासी महा दरबार में आदिवासी समाज के अधिकार, पेसा कानून, सीएनटी- एसपीटी, भूमि अधिग्रहण, विस्थापन, सामाजिक व्यवस्था समेत अन्य ज्वलंत मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जायेगा। कानूनविद व समाज के जानकार उक्त बिंदुओं पर अपनी बातों को रखेंगे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की नेतृत्व वाली सरकार अबुआ सरकार बोलकर आदिवासियों को उनकी जल, जंगल, जमीन, भाषा-संस्कृति व संवैधानिक अधिकार से बेदखल करने का काम कर रही है। रूढ़ी प्रथा, सीएनटी-एसपीटी एक्ट, समता जजमेंट, हासा, भाषा व पेसा यहां कुछ भी सुरक्षित नहीं है। राज्य में पेसा कानून लागू नहीं होने से 16 हजार ग्रामसभा को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

आदिवासी अपने ही राज्य में सुरक्षा, रोजी-रोजगार के लिए परेशान हैं। दिशोम गुरु शिबू सोरेन जल, जंगल, जमीन व शराब के खिलाफ आवाज उठाकर लड़ते रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल, जंगल व जमीन को बेचने का काम कर रहे हैं और आदिवासियों को शराब सेवन के गर्त में धकेल कर उनके अस्तित्व को समाप्त करना चाहते हैं। आदिवासी महा दरबार में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा के बाद सभी तथ्यों से राष्ट्रपति व राज्यपाल को अवगत कराया जायेगा। साथ ही न्यायालय से भी सहयोग करने का अपील की जायेगी।

भारतीय संविधान प्रदत्त अनुसूचित जनजातियों को सुरक्षा देने वाले अधिकारों पर चर्चा होगीपारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के लिए रूढ़ि प्रथा के संरक्षण पर चर्चा होगीपेसा अधिनियम एवं नियमावली पर चर्चा होगीहाइकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये जजमेंट पर विशेष चर्चा होगीबिना ग्राम सभा के बालू घाटों का ई-ऑक्शन के बारे में चर्चा होगीअनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा के अधिकार और जिम्मेदारियों पर चर्चा होगीसरकार द्वारा कोल्हान में मानकी मुंडा स्वशासन व्यवस्था पर हस्तक्षेप के बारे में चर्चा होगीजमीन अतिक्रमण, अधिग्रहण तथा धर्मांतरण के रोक पर चर्चा होगी

धनबाद लॉ कॉलेज में छात्रों की राजनीतिक गतिविधियों पर दो वर्ष की रोक

धनबाद, एजेंसी। धनबाद लॉ कॉलेज प्रबंधन ने कॉलेज परिसर में अगले दो साल तक छात्रों की राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। यह फैसला 10 सितंबर को कॉलेज में हुई मारपीट की घटना के बाद लिया गया। शुक्रवार को प्राचार्य प्रो। कमल किशोर की अध्यक्षता में शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों की बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि कॉलेज में अब कार्यक्रम केवल कॉलेज प्रबंधन करेगा। कॉलेज में अब केवल विश्वविद्यालय या बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित कार्यक्रम ही आयोजित किये जाएंगे।

छात्र संगठन को कोई कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं होगी। उन्हें परिसर में राजनीतिक कार्यक्रम करने की भी अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रतिबंध अगले दो वर्षों तक लागू रहेगा। प्राचार्य ने स्पष्ट किया कि कॉलेज प्रबंधन का किसी भी छात्र संगठन से कोई जुड़ाव नहीं है। कॉलेज प्रबंधन निष्पक्ष है। प्राचार्य प्रो। कमल किशोर ने बताया कि कॉलेज परिसर में अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड तैनात किये जाएंगे और कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे। छात्र-छात्राओं को पहचान पत्र (आइकार्ड) जारी किये जाएंगे। बिना आइकार्ड या निर्धारित ड्रेस के प्रवेश नहीं मिलेगा। प्राचार्य से मिलने आने वाले आगंतुकों का रजिस्टर में रिकॉर्ड रखा जाएगा। इसके लिए आगंतुकों से एंट्री ली जायेगी।

प्राचार्य प्रो। कमल किशोर ने सुरक्षा को लेकर उपायुक्त आदित्य रंजन से मुलाकात की और सहयोग की मांग की। उपायुक्त ने भरोसा दिया कि कॉलेज परिसर को सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

अनुराग गुप्ता की डीजीपी के पद पर नियुक्ति का मामला फिर गरमाया, बीजेपी का आरोप-सरकार जनता को कर रही गुमराह, बचाव में जेएमएम

रांची, एजेंसी। राज्य के पुलिस महानिदेशक के पद पर अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को लेकर एक बार राजनीतिक बहस छिड़ गई है। प्रदेश भाजपा का आरोप है सत्ताधारी झामुमो ने बाबूलाल मरांडी की अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत तरीके से प्रचारित किया है। जबकि 10 सितंबर को हाईकोर्ट में बाबूलाल मरांडी की रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हो गया है कि इस मामले को अब सुप्रीम कोर्ट सुनेगा। लिहाजा, आने वाले समय में स्पष्ट होना तय है कि डीजीपी के पद पर अनुराग गुप्ता की नियुक्ति अवैध है। वहीं जेएमएम का कहना है कि इसमें कुछ गलत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष की दलील को नकार दिया था। अब इस पूरे मामले को अदालत पर छोड़ देना चाहिए।

झारखंड भाजपा के प्रवक्ता अजय साह का दावा है कि अनुराग गुप्ता की डीजीपी के पद पर नियुक्ति मामले में कई नियमों की खुली अनदेखी हुई है। मसलन, सुप्रीम कोर्ट का प्रकाश सिंह केस में स्पष्ट निर्देश है कि यूपीएससी को प्रक्रिया में शामिल किए बगैर डीजीपी के पद पर नियुक्ति नहीं की जा सकती है, लेकिन राज्य सरकार ने इस मामले में यूपीएससी को पूरी तरह से बाइपास कर दिया। दूसरा ये कि राज्य सरकार ने जेपीएससी में अध्यक्ष का पद रिक्त होने के बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया के लिए गठित कमीशन में जेपीएससी के एक प्रतिनिधि को शामिल कर लिया था।

भाजपा के मुताबिक ऑल इंडिया सर्विस से जुड़े आईपीएस की उम्र सीमा को बढ़ाने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार के पास होता है, लेकिन अनुराग गुप्ता के मामले में इस नियम की भी अवहेलना की गई। सुप्रीम कोर्ट

का डायरेक्शन है कि कोई भी व्यक्ति अधिकतम दो साल के लिए डीजीपी के पद पर नियुक्त हो सकता है। लेकिन इस मामले में भी नियम को तोड़ा गया।

भाजपा की दलील है कि झारखंड के नेता प्रतिपक्ष सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने डीजीपी की नियुक्ति को अवैध बताते हुए झारखंड हाईकोर्ट में रिट पिटिशन दायर की थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। क्योंकि अनुराग गुप्ता की नियुक्ति से सुप्रीम कोर्ट की अवमानना हुई है। भाजपा प्रवक्ता का कहना है कि 18 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए बाबूलाल मरांडी से अवमानना याचिका वापस लेने को कहा था कि वे इसमें पार्टी नहीं है। अवमानना वो दायर कर सकता था, जिसको डीजीपी नहीं बनाया गया।

उसी समय सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया था कि वो खुद हाईकोर्ट में दायर नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। लेकिन 18 अगस्त को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत तरीके से झामुमो के द्वारा जनता के बीच पेश किया गया। ऐसे बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट में बाबूलाल मरांडी की याचिका खारिज हो चुकी है। लेकिन 10 सितंबर को हाईकोर्ट ने बाबूलाल मरांडी के रिट पिटिशन पर सुनवाई के दौरान स्पष्ट कर दिया कि इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया है। लिहाजा, इस केस को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए ट्रांसफर किया जा रहा है। डीजीपी मामले में जेएमएम प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि सरकार ने जो फैसला लिया है, वो राज्यहित में है। अब इस पूरे मामले को अदालत पर छोड़ देना चाहिए।

दरअसल, अनुराग गुप्ता 30 अप्रैल 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले थे। लेकिन राज्य सरकार ने 8 जनवरी 2025 को बने नए नियम के हवाले से 2 फरवरी 2025 को 02 साल के लिए सेवा विस्तार के फैसले पर मुहर लगा दी थी। इधर, ऑल इंडिया सर्विस रुल के हवाले से केंद्र सरकार ने 22 अप्रैल को ही मुख्य सचिव को पत्र के जरिए बता दिया था कि अनुराग गुप्ता को एक्सटेंशन नहीं मिलेगा। हालांकि राज्य सरकार की दलील है उनका सेवा विस्तार नियम संगत है।

क्या है इरास्मस मुंडस स्कॉलरशिप और इसके फायदे

भारत के छात्र भी विदेशों में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। कई संस्थान ऐसे हैं जो विदेशों में पढ़ाई करने के लिए स्कॉलरशिप देते हैं। उन्हीं स्कॉलरशिप में से एक है इरास्मस मुंडस स्कॉलरशिप। इस स्कॉलरशिप की मदद से कोई भी छात्र किसी भी यूरोपीय यूनिवर्सिटी और देशों में पोस्ट ग्रेजुएशन और डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त कर सकता है। इसके साथ ही छात्र इस स्कॉलरशिप की मदद से दो साल की पढ़ाई के बाद इंटर्नशिप करने का भी मौका प्राप्त कर सकते हैं। हर स्कॉलरशिप को प्राप्त करने के लिए एक निर्धारित योग्यता पर खरा उतरना पड़ता है ठीक उसी प्रकार इस स्कॉलरशिप को प्राप्त करने के लिए छात्रों को कुछ मानकों पर खुद को योग्य साबित करना होगा। नीचे एक-एक कर के आप इस स्कॉलरशिप को प्राप्त करने की योग्यता को जान सकते हैं।

- जो भी छात्र या उम्मीदवार इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना चाहता है वह इस बात को सुनिश्चित करें कि उनका IELTS में 6.5 बैंड स्कोर हो।
- इस स्कॉलरशिप की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए कोई उम्र सीमा तय नहीं की गई है। योग्य उम्मीदवार होने के लिए आवश्यकता है कि स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति ने अपनी 16 वर्षों की शिक्षा पूरी कर ली हो। ऐसा इसलिए है ताकि किसी भी उम्र में अपनी पढ़ाई को पूरा किया जा सके।
- आवेदन करने वाले उम्मीदवार इस बात का खास ध्यान रखें कि प्रोग्राम के अनुसार दो लेटर ऑफ रिकमेंडेशन यानी सिफारिश के दो पत्रों की आवश्यकता होगी। उम्मीदवारों को वेबसाइट पर इसके विषय में अधिक जानकारी प्राप्त होगी।
- एक सार्वजनिक वकील द्वारा प्रमाणित निवास प्रमाण पत्र, यह सुनिश्चित करता है कि आवेदक पिछले पांच वर्षों में एक या एक वर्ष से यूरोप में नहीं रह रहा है।
- यह आवश्यक है कि आवेदक के पास लेटर ऑफ मोटिवेशन मौजूद हो।

स्कालरशिप के फायदे

- इस स्कालरशिप को प्राप्त करने वाले छात्र या उम्मीदवार को प्रति महीने 1100-1500 यूरो का स्टाइपन दिया जाएगा।
- इसके साथ ही स्कॉलरशिप प्राप्तकर्ता को मास्टर्स या पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्क वीजा भी दिया जाएगा।

कैसे बने कॉलेज में लेक्चरार

एक अच्छा शिक्षक ही सम्पूर्ण देश के भविष्य का निर्माण करता है, आपको बता दे की शिक्षा से ही हमें जीवन में सफलता मिलती है आवर देश में शिक्षा का स्तर जितना अच्छा होगा वह देश उतना ही विकसित होगा, भारत में शिक्षक का पद बहुत ही सम्मानजनक पद होता है, एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए व्यक्ति में व्यक्तिगत गुण होने चाहिए, इन व्यक्तिगत गुणों को अच्छे से प्रशिक्षण के द्वारा विकसित किया जाता है, भारत सरकार शिक्षा व्यवस्था में बेसिक स्तर से कॉलेज स्तर तक बदलाव कर रही है, इसी परिवर्तन के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का पुनर्गठन किया जा रहा है, अगर आप कॉलेज में लेक्चरर बनने के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त करना चाहते है तो पढ़ें।

प्रमोशन के अवसर

कॉलेज प्रोफेसर एक प्रोन्नति प्राप्त करने वाला पद होता है, आपको बता दे की इस पद के लिए सीधे चयन नहीं किया जा सकता है, इसके लिए आपके पास पीएचडी डिग्री के साथ सभी आवश्यक अनुभव होना आवश्यक है, अगर आप एक प्रोफेशर बनाना चाहते है, तो आपको इस क्षेत्र में लेक्चरार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करनी आवश्यक होती है, इसके पश्चात आपका प्रोमोशन अनुभव, प्रदर्शन और वरिष्ठता के आधार पर आपको पहले असिस्टेंट प्रोफेसर और बाद में प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाती है.

सैलरी

एक कॉलेज प्रोफेसर के रूप में 37,400-67,000 रुपये प्राप्त होता है.

कार्य अनुभव

किसी कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में न्यूनतम 10 वर्ष तक पढ़ाने का अनुभव होना चाहिए।

असिस्टेंट प्रोफेसर

शैक्षिक योग्यता – पीएचडी डिग्री तथा 55 प्रतिशत अंकों सहित परस्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।
सैलरी – असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में 15,600-39,100 ग्रेड पे प्राप्त होता है.
कार्य अनुभव – कॉलेज/ यूनिवर्सिटी स्तर पर न्यूनतम 8 वर्ष का शिक्षण अनुभव या रिसर्च का अनुभव होना चाहिए।

लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर

शैक्षिक योग्यता – लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर बनने के लिए यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है.

कॉलेज टीचर बनने की प्रक्रिया

अगर आप कॉलेज टीचर बनना चाहते है, तो आपको 12वीं की परीक्षा के समय ही फैसला लेना चाहिए, ताकि आप इस दिशा में अपनी तैयारी को अच्छे से कर सके.

स्कूल स्तर पर

कॉलेज में जो भी विषय के आप प्रोफ़ेसर बनना चाहते है आपको उसी के अनुसार इंटरमीडिएट में विषय का चुनाव करना चाहिए, उस विषय के बेसिक कंसेप्ट को अच्छे से क्लियर करने का अधिक से अधिक प्रयास करे, जिससे स्नातक में आपको लाभ मिल सके.

स्नातक स्तर पर

आपको अच्छी तैयारी के लिए स्नातक में आपको वही विषय लेने चाहिए जो विषय आपने इंटरमीडिएट में पहले लिया था इससे आपको उस विषय की अच्छी जानकारी हो जाएगी और परास्नातक में आपको बहुत फायदा होगा, उन विषयों पर पकड़ आपकी इंटरमीडिएट से ही होने के कारण आपको स्नातक में अच्छे अंक प्राप्त हो सकेंगे। यह अंक आपको कॉलेज प्रोफेसर के रूप में स्क्रीनिंग प्रोसेस में बहुत ही लाभकारी सिद्ध होंगे।

परास्नातक स्तर पर

परास्नातक में आपको उस विषय का चयन करना चाहिए जिस विषय पर आपकी पकड़ सबसे अच्छी हो, और आपको रूचि अधिक हो क्योंकि यूजीसी नेट परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आपको परास्नातक में कम से कम 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है, अतः आपका लक्ष्य इससे अधिक अंक प्राप्त करने का होना आवश्यक है.

परास्नातक के बाद

परास्नातक पास करनें के बाद आपको यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए और इसके साथ ही आप एमफिल अथवा पीएचडी डिग्री के लिए अपने विषय में रिसर्च करने के लिए आवेदन कर सकते है, यहाँ पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए की कॉलेज टीचर के रूप में चयनित होने के लिए यूजीसी नेट क्लियर करना जरुरी है, किन्तु आपको अपने विषय में डॉक्टरेट होना भी अत्यंत लाभदायक होता है, यदि आपका लेक्चरार या असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयन हो जाता है, तो आपको प्रोफेसर पद पर प्रमोशन प्राप्त करने के लिए पीएचडी डिग्री का होना अनिवार्य है, इसलिए आपको नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पीएचडी डिग्री करना बहुत ही आवश्यक है.

यूजीसी नेट परीक्षा

यूजीसी नेट का अर्थ है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट, इस परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है, इस परीक्षा को सफलता पूर्वक पास करने के बाद सरकारी कॉलेजों में नियुक्ति के लिए यूजीसी के द्वारा स्क्रीनिंग की जाती है, इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार जून तथा दिसंबर में किया जाता है, इसके माध्यम से लेक्चरारशिप तथा जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग की जाती है.

आयु सीमा

लेक्चरार पद के लिए कोई आयु निर्धारित नहीं की गयी है, परन्तु जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थी के लिए आयु 21 से 28 वर्ष के बीच में होनी चाहिए, एससी/ एसटी/ ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण के नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है.

दुनियाभर में भारत की नर्सों की बढ़ी डिमांड

भर-भर कर मिल रही जॉब और सैलरी

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है।

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है। बता दें कि पिछले साल 70 हजार से 1 लाख भारतीय नर्सें विदेश गई हैं। वहीं इस साल उनकी डिमांड 15-30% बढ़ने वाली है। एक्सपर्ट की मानें, तो आने वाले सालों में नर्सों की डिमांड बढ़ने वाली है। क्योंकि बूढ़ी होने वाली आबादी के कारण कई देश देखभाल के लिए नर्स चाहते हैं। इटली, जर्मनी और जापान जैसे देशों में बड़ी संख्या में नर्सों की भर्ती की जा रही है। वहीं ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में भी नर्सों की नौकरियों की भरमार है। वहीं नर्सों को नौकरी देने वाले देशों में कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब आदि शामिल हैं। यह नर्स बनने के लिए सबसे अच्छा समय माना जा रहा है। दुनियाभर में करीब 6,40,000 के करीब नर्सें काम कर रही हैं।

नर्सों की कमी

एक्सपर्ट की मानें, तो भारतीय नर्सों की मांग विदेशों में काफी बढ़ी है। महीने दर महीने 20-30ब भारतीय नर्सों की मांग में वृद्धि हुई है। यह दिखाता है कि एक साल में नर्सों की डिमांड दोगुना हो सकती है। दुनियाभर में नर्सिंग प्रोफेशनल्स की कमी है। [illegible] के अनुसार, साल 2030 तक 45 लाख नर्सों की जरूरत होगी। वहीं सबसे ज्यादा भारतीय नर्सों को हायर विकसित देश कर रहे हैं।

विदेश में मिल रही अच्छी सैलरी

क्वालिफाइड नर्सों के लिए विदेश में नौकरी पाना काफी आसान है। क्योंकि विदेश में उनको अच्छी सैलरी मिल रही है, साथ ही बढ़िया क्वालिटी ऑफ लाइफ, सिक्योरिटी और प्रोफेशनल ग्रोथ भी मिल रहा है। भारत की तुलना में विदेशों में भारतीय नर्सों को औसतन सात से दस गुना अधिक सैलरी मिलती है। वहीं पर्चेचिंग पावर पैरिटी के आधार पर भारत की तुलना में विदेश में मिलने वाली सैलरी तीन से पांच गुना ज्यादा है।

कैसे बने प्रोफेशनल फोटोग्राफर

आज के समय मे लोगो को सेल्फी लेने का शोक बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। और इसी के साथ प्रोफेशनल फोटोग्राफर की डिमांड भी तेजी से बढ़ती जा रही है फोटो क्वालिटी में हर दिन सुधार हो रहा है, इसलिए नए कैमरों में पिक्सल की संख्या बढ़ायी जा रही है, इस समय हाई लेवल पिक्सल कैमरे की जानकारी रखने वाले प्रोफेशनल फोटोग्राफर की मांग बहुत अधिक है, इसलिए फोटोग्राफी को करियर के रूप में अपना कर अच्छी कमाई की जा सकती है। अगर आप भी फोटो लेने व सेल्फी लेने के शोकीन है और इस क्षेत्र मे अपना करियर बनाना चाहते है तो पूरी जानकारी विस्तार से बताई गई है।

शैक्षणिक योग्यता

फोटोग्राफर के क्षेत्र में जाने के लिए आपको इंटर की परीक्षा पास होना आवश्यक है, इसको डिग्री के रूप में प्राप्त करनें के लिए फाइन आर्ट्स विषय के अंतर्गत एक वैकल्पिक स्नातक उपाधि प्राप्त की जा सकती हैं, । कुछ कॉलेज इसे तीन वर्षीय स्नातक के रूप में करवाते है, और कुछ इसे पार्ट टाइम करवाते हैं।

प्रोफेशनल फोटोग्राफर की विशेष योग्यता इस क्षेत्र में व्यक्ति को प्रत्येक क्षण होने वाली घटनाओं में क्या विशेष हैं, इसको खोजना आना चाहिए। व्यक्ति में कलात्मक, पारखी नज़र व टेक्निकल नॉलेज का होना भी आवश्यक है। एक सफल फोटोग्राफर बननें के लिए कड़ी मेहनत और संयम बहुत आवश्यक है। व्यक्ति में एक ही समय में क्लाइंट, एडवर्टाइज़र, पब्लिशिंग एजेंसी और डिज़ाइनर के साथ आसानी से डील करना आना चाहिए।

फोटोग्राफर के क्षेत्र

फोटो जर्नलिस्ट– अगर आपको साहसिक कार्य पसंद हैं और कार्य को करनें के लिए समय की परवाह नहीं करतें हैं, तो इस क्षेत्र में आप बिलकुल ही उपयुक्त हैं। फोटो जर्नलिस्ट को प्रेस में रोज़ाना होनें वाली घटनाओं और न्यूज़ से संबंधित फोटोग्राफ्स देने होते है।

फीचर फोटोग्राफर्स – फीचर फोटोग्राफर्स को फोटोग्राफ्स के माध्यम से कहानी को समझाना होता है, इसमे करियर बनाने के लिए आपको अपने विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए।

फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी – फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी के अंतर्गत फोटोग्राफर्स को फैशन हाउस, डिज़ाइनर्स या मॉडल्स के साथ काम करना होता है, इसकें लिए लेटेस्ट फैशन, ट्रेंड की जानकारी होनी आवश्यक हैं।

इवेंट फोटोग्राफी– इसमें फोटोग्राफर को शादी, स्पोर्ट्स, फैमिली फंक्शन में फोटोग्राफी करते हुए अच्छी इनकम के साथ इवेंट एन्जॉय करने का भी अवसर प्राप्त होता है।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स – वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स के अंतर्गत व्यक्ति को प्रकृति और वन्य जीवो के बीच में रहकर फोटोग्राफी करनी होती हैं, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी एक रोमांचक करियर ऑप्शन है।

सैलरी

फोटोग्राफी के क्षेत्र में आप स्वयं का स्टूडियो खोल सकते हैं या किसी प्रोफेशनल फोटोग्राफर के साथ असिस्टेंट के रूप में कार्य कर सकते है। फ्रेशर के रूप में आपकी इनकम 5000 से 8000 रुपये के मध्य हो सकती है, अगर आप स्वयं का स्टूडियो खोल रहें है, तो आप 100,000 से 500,000 रु0 इन्वेस्ट करके 20000 से 35000 रु0 प्रतिमाह तक कमाई कर सकते है। जो की आपके काम और मेहनत पर निर्भर करता है।

अडानी के शेयर पर विदेशी ब्रोकरेज फिदा, 1815 का दिया है टारगेट प्राइस

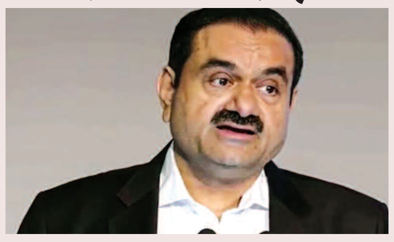

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी- अडानी पोर्ट्स के शेयर बिकवाली मोड में है लेकिन ब्रोकरेज जेफरीज इसको लेकर बुलिश है। विदेशी ब्रोकरेज को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह शेयर 1800 रुपये के पार जाएगा। आइए डिटेल में जान लेते हैं। जेफरीज के मुताबिक वित्त वर्ष 25-27 के दौरान अडानी पोर्ट्स की क्षमता में 17 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे इस अवधि में बिक्री में 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि और एबिटा में 19 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि होगी। जेफरीज ने कहा- हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 25-30 के लिए एबिटा की सीएजीआर 15 प्रतिशत रहेगी, जिसमें बिक्री में 11 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि शामिल है। ब्रोकरेज ने शेयर के लिए टारगेट प्राइस 1815 का तय किया है। अडानी के इस शेयर की वर्तमान कीमत 1392 रुपये पर है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 1,493.85 रुपये है। शेयर का यह भाव जून 2025 में था। हाल ही में अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने जहाज मालिकों और संचालकों को सूचित किया है कि उसके बंदरगाहों पर अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ द्वारा प्रतिबंधित किसी भी जहाज को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध कानूनों और नियमों का कड़ाई से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, कंपनी ने आधिकारिक तौर पर बयान नहीं दिया है। अडानी पोर्ट्स का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में मुनाफा 6.54 प्रतिशत बढ़कर 3,310.60 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में मुनाफा 3,107.23 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही में कुल आय बढ़कर 9,422.18 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 8,054.18 करोड़ रुपये थी। कंपनी का खर्च भी सालाना आधार पर 4,238.94 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,731.88 करोड़ रुपये हो गया।

स्टार हेल्थ की कैशलेस सर्विस पर अब खतरा, बढ़ सकती है बीमाधारकों की मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस के ग्राहक हैं तो ये खबर आपको निराश कर सकती है। दरअसल, आगामी 22 सितंबर से बीमाधारकों की कैशलेस सर्विसेज बंद होने का खतरा है। इस संबंध में एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया ने स्टार हेल्थ को चेतावनी भी दी है। आपको बता दें कि एएचपीआई 15,000 से अधिक अस्पतालों का प्रतिनिधित्व करता है। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ने चेतावनी दी कि वह अनुचित व्यवहार की शिकायतों के कारण 22 सितंबर से स्टार हेल्थ पॉलिसीधारकों के लिए कैशलेस सेवाएं वापस ले लेगा। यह तब तक के लिए लागू रहेगा जबतक बीमाकर्ता के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता। आपको बता दें कि अगस्त में बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस और केयर हेल्थ इंश्योरेंस का एएचपीआई के साथ क्लेम के सैटलमेंट में देरी, नए अस्पतालों को सूचीबद्ध करने में देरी, पैकेज दरों में संशोधन न करने, गैर जरूरी दस्तावेजों की मांग समेत कई विवाद हुए थे। दोनों को चेतावनी दी गई थी कि उनकी कैशलेस सेवाएं वापस ले ली जाएंगी, लेकिन अंततः बातचीत के जरिए उन्होंने अपने मुद्दे सुलझा लिए। एएचपीआई के सदस्य अस्पतालों का आरोप है कि स्टार हेल्थ ने बढ़ती लागत के अनुरूप पुराने टैरिफ में संशोधन करने से इनकार कर दिया है। उन पर दरें और कम करने का दबाव डाला है। मनमाने ढंग से कैशलेस सेवाएं देने से इनकार कर दिया है।

अक्टूबर-दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम

अगस्त में महंगाई दर दो फीसदी से ऊपर

भारी बारिश से खाद्य आपूर्ति को नुकसान होने की संभावना

- दिसंबर में भी ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम
- गैर-खाद्य वस्तुओं पर महंगाई कम होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगस्त महीने में मुद्रास्फीति दो प्रतिशत से ऊपर रहने के कारण अक्टूबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हो गई है। एसबीआई रिसर्च ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में यह दावा किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना भी अनिश्चित नजर आ रही है। दरअसल, चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में अनुमान से बेहतर विकास दर को देखते हुए केंद्रीय बैंक के लिए इस तरह का कदम उठाना मुश्किल हो सकता है।

एसबीआई के अनुसार, अगस्त महीने में महंगाई दर दो फीसदी के स्तर से थोड़ी अधिक रही है। ऐसे में अक्टूबर में दर कटौती करना चुनौतीपूर्ण होगा। वहीं, अगर पहली और दूसरी तिमाही के विकास के अनुमान को ध्यान में रखा जाए, तो दिसंबर में भी ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम दिख रही है।

इसमें यह भी कहा गया है कि सेवाओं पर जीएसटी दरों में बदलाव से गैर-खाद्य वस्तुओं पर महंगाई में 40 से 45 आधार अंकों तक की कमी आ सकती है, बशर्ते इन बदलावों का 50 फीसदी असर उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

सरकार ने कई जरूरी वस्तुओं (कुल मिलाकर लगभग 295) पर जीएसटी की दरें घटाकर 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत या यहां तक कि शून्य कर दी हैं।

एसबीआई इकोरैप के अनुसार, इस कर कटौती से वित्त वर्ष 26 में इन वस्तुओं की महंगाई में 25 से 30 आधार अंकों की कमी आ सकती है। बशर्ते इसका 60 प्रतिशत लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) जुलाई 2025 में 98 महीने के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर पहुंचने के बाद, अगस्त में थोड़ी बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई। इसका मुख्य कारण खाद्य और पेय पदार्थों की ऊंची कीमतें थीं। कोर मुद्रास्फीति (जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं) भी बढ़कर 4.16 प्रतिशत हो गई।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में वृद्धि देखी गई। ग्रामीण मुद्रास्फीति बढ़कर 1.69 प्रतिशत हो गई (जुलाई में 1.18 प्रतिशत से) और शहरी मुद्रास्फीति बढ़कर 2.47 प्रतिशत हो गई (2.10 प्रतिशत से)।

यह वृद्धि आंशिक रूप से आधार प्रभाव के कम होने के कारण हुई। इसका मतलब है कि वर्तमान मूल्य वृद्धि की तुलना अब पिछले वर्ष की बहुत ऊंची कीमतों से नहीं की जा रही है। अब, कीमतों में वास्तविक वृद्धि अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

केरल में महंगाई दर 9.04 प्रतिशत पर पहुंच गई

अगस्त में 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 26 में महंगाई 4 प्रतिशत से कम रही। केवल केरल और लक्षद्वीप में ही मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से अधिक रही। वहीं केरल में मुद्रास्फीति 9.04 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो राज्य में प्रमुख खाद्य पदार्थ नारियल तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण हुई। केरल में ग्रामीण मुद्रास्फीति 10.05 प्रतिशत और शहरी मुद्रास्फीति 7.19 प्रतिशत तक पहुंच गई। मौसम के मोर्चे पर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात जैसे प्रमुख कृषि राज्यों में भारी बारिश से खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। अगस्त और सितंबर की शुरुआत के बीच पूरे भारत में बारिश सामान्य से लगभग 9 प्रतिशत अधिक रही, जबकि कुछ राज्यों में यह स्तर इससे भी ज्यादा रहा।

अगले छह महीने में चांदी की हॉलमार्किंग भी होगी

प्रमोद तिवारी ने कहा- अभी इसका परीक्षण जारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकार सोने की तर्ज पर अगले छह महीने में चांदी की हॉलमार्किंग को भी अनिवार्य करेगी। एक सितंबर से देशभर में चांदी के आभूषणों और वस्तुओं की स्वैच्छिक आधार पर हॉलमार्किंग हो रही है। भारत मानक ब्यूरो (बीआईएस) के महानिदेशक प्रमोद तिवारी ने कहा, अभी इसका परीक्षण किया जा रहा है और इसके बाद अनिवार्य कर दिया जाएगा। देश में पहले से ही सोने की अनिवार्य हॉलमार्किंग है, इसलिए चांदी के लिहाज से कोई बड़ा संकट नहीं होगा। बीआईएस प्रमुख ने कहा, चांदी की हॉलमार्किंग से उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा होगी। उन्हें चांदी की 100 फीसदी शुद्धता का भरोसा मिलेगा। दुकानदार भी ग्राहकों को धोखा नहीं दे सकेंगे। ग्राहकों का भरोसा मजबूत होगा, उन्हें मिलावटी धातु से तैयार महंगे सामानों से निजात मिलेगी। चांदी की हॉलमार्किंग में बीआईएस का चिन्ह, गुणवत्ता का मानक, और

एचयूआईडी नंबर होगा। सरकार ने चांदी की शुद्धता के छह स्तर तय किए हैं, जिनके आधार पर धातु की शुद्धता को परखा जा सकेगा। बता दें कि इससे पहले केंद्र सरकार ने विगत 4 सितंबर को कहा था कि एक सितंबर से चांदी के गहनों और अन्य वस्तुओं के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू कर दी गई है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने आईएस 2112-2025 के प्रकाशन के साथ हॉलमार्किंग मानक को संशोधित किया है। यह पहले के 2112-2014 आईएस संस्करण का स्थान लेगा। बयान के मुताबिक, नई प्रणाली के तहत उपभोक्ता बीआईएस केयर मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कर एक सितंबर, 2025 के बाद हॉलमार्क किए गए।

22 सितंबर से जीएसटी दरों में होने वाली कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दें

दवा निर्माता व चिकित्सा उपकरण उद्योग जीएसटी दर में कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए ने दवा कंपनियों और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं से कहा है कि वे 22 सितंबर से जीएसटी दरों में होने वाली कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दें। प्राधिकरण ने एक आदेश में कहा, जीएसटी दरों में कमी का लाभ 22 सितंबर, 2025 से उपभोक्ताओं/मरीजों को दिया जाएगा। दवाएं/फॉर्मूलेशन बेचने वाली सभी निर्माता/विपणन कंपनियां 22 सितंबर से दवाओं/फॉर्मूलेशन (चिकित्सा उपकरणों सहित) के एमआरपी को उसी अनुसार संशोधित करेंगी।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कहा कि दवा निर्माता विपणन कंपनियों, डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को संशोधित मूल्य सूची या पूरक मूल्य सूची जारी करेंगी। इसमें संशोधित जीएसटी दरों और संशोधित एमआरपी का विवरण होगा।

आदेश में कहा गया है कि निर्माता और विपणन कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया सहित संचार के सभी संभावित चैनलों के माध्यम से डीलरों, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को जीएसटी दरों में कटौती के बारे में जागरूक करने के लिए तत्काल उपाय करेंगी।

एनपीपीए ने अपने आदेश में कहा, उद्योग संघ 22 सितंबर, 2025 से संशोधित जीएसटी दरों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए डीलरों/खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों सहित प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन भी जारी कर सकते हैं।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्माता/विपणन कंपनियां दिए गए उपायों के जरिए खुदरा विक्रेता स्तर पर मूल्य अनुपालन सुनिश्चित कर सकती हैं, तो 22 सितंबर, 2025 से पहले बाजार में जारी किए गए स्टॉक के कंटेनरों या पैक के लेबल को वापस मंगाना, पुनः लेबलिंग करना या पुनः स्टीकर लगाना अनिवार्य नहीं है। 56वीं जीएसटी परिषद ने प्रमुख दवाओं पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने की सिफारिश की है। जिन दवाओं पर पहले 12 प्रतिशत की दर लागू थी, उन्हें 5 प्रतिशत की दर में नहीं बदला गया है।

मोदी सरकार दे रही क्रेडिट कार्ड, 5 लाख है लिमिट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अब तक के कार्यकाल में कई ऐसी योजनाएं शुरू की हैं जिसके तहत लोगों को बिजनेस के लिए लोन मिलता है। वहीं, कुछ ऐसी भी योजनाएं हैं जिसके तहत क्रेडिट कार्ड पेश किया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के लिए भी एक ऐसी योजना है।

दरअसल, बीते फरवरी महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा था कि उद्यम पोर्टल पर रजिस्टर्ड सूक्ष्म उद्यमों के लिए 5 लाख रुपये तक की लिमिट वाले क्रेडिट कार्ड पेश किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने बताया था कि पहले साल में 10 लाख कार्ड जारी किए जाएंगे। यह कदम भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह क्रेडिट कार्ड व्यवसायों को हर दिन के काम के प्रबंधन के लिए पैसे उपलब्ध कराते हैं। उदाहरण के लिए इक्युपमेंट, सामान खरीदने और अन्य संबंधित व्यावसायिक खर्चों को पूरा करने में मददगार है। ये कार्ड व्यावसायिक व्यय पर नजर रखने में भी मदद करते हैं। इस प्रकार, खर्च की निगरानी और विनियमन आसान हो जाता है।

कपड़ा उद्योग के राजस्व में आ सकती है 5 से 10 फीसदी की गिरावट

- क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में दावा
- तीन प्रमुख कारक कपड़ा उद्योग को सहारा दे सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी टैरिफ से घरेलू कपड़ा उद्योग के राजस्व में 5-10 फीसदी की गिरावट आ सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। इस उद्योग में निर्यात की हिस्सेदारी लगभग तीन-चौथाई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बावजूद तीन प्रमुख कारक भारतीय कपड़ा उद्योगों को सहारा दे सकते हैं। इसमें अप्रैल से अगस्त 2025 के बीच बिक्री का मजबूत वृद्धि। दूसरा चीन, पाकिस्तान और तुर्की जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की सीमित निर्यात क्षमता खासकर उन उत्पाद श्रेणियों में जहां भारत को कम टैरिफ का फायदा है और भारतीय विनिर्माताओं का वैकल्पिक वैश्विक बाजारों की ओर रुख करना शामिल है। इसके अलावा यह कंपनियों की कर्जमुक्त बैलेंस शीट क्रेडिट प्रोफाइल पर पड़ने वाले दबाव को आंशिक रूप से कम कर सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स के उप मुख्य रेटिंग अधिकारी मनीष गुप्ता ने कहा कि होम टेक्सटाइल्स विवेकाधीन उत्पाद हैं। अमेरिका को इसके निर्यात इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2-3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है। खुदरा विक्रेता मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के बीच मांग को लेकर सतर्क बने हुए हैं। लेकिन 27 अगस्त से उच्च टैरिफ के कार्यान्वयन से पहले, कुछ ऑर्डरों की अग्रिम लोडिंग के कारण निर्यात में तेजी आई थी। गुप्ता ने आगे कहा कि इसके अलावा, प्रतिस्पर्धी देशों में कपास आधारित घरेलू वस्त्र उत्पाद बनाने की सीमित क्षमता होने के कारण, भारत निकट भविष्य में अमेरिकी बाजार में अपनी

प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। इससे इस वित्त वर्ष में उद्योग के कुल राजस्व में गिरावट 5-10 प्रतिशत तक सीमित रहनी चाहिए। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसका असर उन कंपनियों पर ज्यादा पड़ने की उम्मीद है जो अपनी आधी से अधिक आय अमेरिका से कमाती हैं। क्रिसिल रेटिंग ने आगे कहा है कि अमेरिका में कम खरीद की भरपाई के लिए, भारतीय निर्माता यूरोपीय संघ (ईयू) और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ व्यापार बढ़ाने की कोशिश करेंगे। पिछले वित्त वर्ष में भारत के घरेलू कपड़ा निर्यात में इन भौगोलिक क्षेत्रों का कुल योगदान 13 प्रतिशत था।

अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट

शाही ने कहा कि अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यातकों को ऊंचे टैरिफ का कुछ बोझ खुद उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट की आशंका है। संभावित अधिक आपूर्ति का दबाव न सिर्फ अन्य निर्यात गंतव्यों बल्कि घरेलू बाजार में भी मार्जिन पर असर डाल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नतीजतन इस वित्त वर्ष उद्योग स्तर पर परिचालन लाभप्रदता पिछले साल की तुलना में 200-250 आधार अंकों तक कम हो सकती है।

घरेलू निर्यातक अब ब्रिटेन और यूरोपीय संघ पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं। हाल ही में ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते और यूरोप में बढ़ते अवसरों ने भारतीय कंपनियों के लिए नए रास्ते खोले हैं। हालांकि, क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक गौतम शाही के अनुसार, इन वैकल्पिक बाजारों से राजस्व बढ़ाने में समय लगेगा।

विरोध प्रदर्शनों से नेपाल के होटल उद्योग को 25 अरब का नुकसान

वित्तीय दायित्वों को पूरा करना मुश्किल

ई दिल्ली, एजेंसी।
गलवार के हिंसक विरोध प्रदर्शन से नेपाल के होटल द्योग को देश भर में करीब 2500 करोड़ रुपये का कसान हुआ है। पर्यटन आधारित देश की र्थव्यवस्था के लिए यह बड़ा झटका है। सरकार रोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर के लगभग दो दर्जन टलों में तोड़फोड़, लूटपाट या आगजनी की गई। बसे बुरी तरह प्रभावित होटलों में काठमांडू का ल्टन होटल शामिल है। इसे अकेले 8 अरब रुपये अधिक का नुकसान बताया जा रहा है।

माई रिपब्लिका समाचार पोर्टल ने होटल सोसिएशन नेपाल (एचएएन) की ओर से जारी एक यान के हवाले से यह जानकारी दी। काठमांडो घाटी, खरा, बुटवल, भैरहवा, झापा, विराटनगर, धनगढ़ी, होत्तरी और डांग-तुलसीपुर के अन्य प्रमुख घरेलू ौर अंतरराष्ट्रीय ब्रांड होटलों को भी हिंसा का ामियाजा भुगतना पड़ा। एचएएन ने कहा कि कई भावित होटल मरम्मत और पुनर्निर्माण के बिना फिर काम शुरू नहीं कर पाएंगे। इससे 2,000 से ज्यादा र्मचारियों की नौकरियां प्रभावित होंगी।

वित्तीय दायित्वों को पूरा करना बेहद मुश्किल

एचएएन ने चिंता व्यक्त की कि इस विनाश के कारण होटलों के लिए बैंकों और अन्य संस्थानों के प्रति वित्तीय दायित्वों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। इसने घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक समिति गठित करने, दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और प्रभावित व्यवसायों के लिए मुआवजे की घोषणा करने की मांग की। एसोसिएशन ने सरकार से मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक राहत पैकेज शुरू करने का भी आग्रह किया। नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का योगदान लगभग सात प्रतिशत है।

27000 करोड़ का निवेश करेगा अदाणी समूह

बड़े उद्योग बिहार में दस्तक देने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।
विकास के लिए जिस क्षमता और संसाधनों की जरूरत होती है, वे बिहार में भरपूर हैं। राज्य का मानव संसाधन और टैलेंट किसी से कम नहीं है। इसी के दम पर बिहार देश के औद्योगिक नक्शे पर जगह बना सकता है। इसके लिए जरूरत है तो राजनीतिक स्थिरता और स्पष्ट नीति की।

इस आशा के पीछे अदाणी समूह का 27,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव है, जो भागलपुर के पीरपैंती में बड़ी पावर परियोजना शुरू करने को लेकर है। इस परियोजना का पहला चरण तैयार होने में 12,000 से ज्यादा इसके परिचालन फेज में 3,000 पक्की नौकरियां बिहार के युवाओं को मिलने की संभावना है। चार गुना से ज्यादा अप्रत्यक्ष नौकरियां या काम मिलने की भी उम्मीद है।

अगर सरकार की नीति स्पष्ट हो और निवेशकों के साथ संवाद कायम रहे तो कारपोरेट जगत के लिए बिहार आकर्षक निवेश स्थल के रूप में विकसित हो सकता है। किसी को भी यह स्वीकारने में हिचक नहीं होनी चाहिए कि 2017 के बाद राज्य सरकार ने बिजली-सड़क जैसे बुनियादी ढांचे को विकसित करने में कसर नहीं छोड़ी है।

औद्योगिक निवेश के लिए स्पष्ट नीति जरूरी

बिहार में बात जब बड़ी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और उसके लिए निवेश की होती है, तो वर्षों पुरानी वही बाधाएं दिखने लगती हैं। इसीलिए, औद्योगिक निवेश के लिए स्पष्ट नीति होनी चाहिए। इस बात को कुछ उदाहरण से समझा जा सकता है। नालंदा विश्वविद्यालय के लिए मंजूरी 2015 में मिल चुकी थी। लेकिन, नई राजनीतिक संरचना में जमीन आवंटन और प्रोजेक्ट कमेटी के अधिकारों को लेकर दलों में सहमति नहीं बनी। जानकार तो यहां तक कहते हैं कि हाजीपुर आईटी पार्क से इन्फोसिस और विप्रो जैसी कंपनियां इसलिए पीछे हट गईं, क्योंकि उन्हें प्रोजेक्ट की मंजूरी प्रक्रिया में स्पष्टता का अभाव दिखा। यही कहानी जापानी मेगा फूड पार्क को लेकर सामने आ रही है।

ये उदाहरण बताते हैं कि निवेश के लिए स्पष्ट नीति और स्थिरता अहम है। निवेशकों में यह धारणा बलवती होती गई कि बिहार में नीति का आधार आर्थिक न होकर प्राथमिक रूप से राजनीतिक रहा है। घरेलू सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों, लॉजिस्टिक और विनिर्माण क्षेत्र को भी राजनीतिक स्थरिता के जरिये स्थायी नीति मिले तो इसका सकारात्मक प्रभाव दिखेगा। टाटा और जेएसडबल्यू जैसे औद्योगिक घरानों ने शुरुआती रुचि दिखाई है।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

‘हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं’, पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा की गीदड़ भभकी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप में भिड़ने से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत के लिए चेतावनी जारी करते हुए गीदड़ भभकी दे डाली। पाकिस्तान ने एशिया कप में अपना पहला मैच ओमान के खिलाफ खेला और उसे 93 रन से जीत मिली।

पाकिस्तान ने ओमान के खिलाफ पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन हनाए और इसके बाद कमजोर ओमान की टीम को सिर्फ 67 रन पर आउट कर दिया। इस मैच में जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दबाव की बात को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया और दावा किया कि उनकी टीम अच्छी फॉर्म में है और किसी को भी हराने में सक्षम है।

ओमान के खिलाफ मिली जीत के बाद सलमान आगा ने प्रजेंटेशन में कहा कि मुझे लगता है कि हम पिछले 2-3 महीनों से वाकई अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह बात बार-बार कह रहा हूं। हमने हाल ही में ट्राई सीरीज जीती है और यहां हमने (ओमान के खिलाफ) बहुत ही शानदार जीत हासिल की। हमें बस अच्छा क्रिकेट खेलने की जरूरत है और अगर हम अपनी रणनीति पर लंबे समय तक अमल करते हैं तो मुझे लगता है कि हम किसी भी टीम को हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए 66 रन की पारी खेलने वाले मोहम्मद हारिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और इस खिताब को जीतने के बाद हारिस ने कहा कि टीम मुझसे जिस तरह का डिमांड करेगी मैं वो करने की कोशिश करूंगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए: केदार जाधव

पुणे, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को लेकर जागरूक करने के लिए पुणे में पुणे ऑन पेडल्स और पुणे वॉकेथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान केदार जाधव ने 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर प्रतिक्रिया दी। केदार जाधव ने पत्रकारों से कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए, लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है। कुछ दिनों पहले बातचीत में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें, लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, न ही खेल संबंध। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। भज्जी ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा ही सुर्खियों में रहा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। हमने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के साथ नहीं खेला। मुझे लगता है कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। सरकार कहती है कि मैच हो सकता है, तो होना चाहिए। भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप 2025 का छठा मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया अपना शुरुआती मैच जीतकर ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं, पाकिस्तान की टीम अपने पहले मैच में ओमान को 93 रन से हराकर दूसरे स्थान पर मौजूद है।

स्टार खिलाड़ी ने रचा इतिहास, धमाकेदार पारी खेलकर इंग्लैंड के लिए बनाया सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल साल्ट ने किसी इंग्लिश खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी 20 शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उनका यह धमाकेदार शतक सिर्फ 39 गेंदों पर पूरा हुआ, जिससे उन्होंने 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ लियाम लिविंगस्टोन द्वारा बनाए गए 42 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साल्ट की यह उपलब्धि उनके सलामी जोड़ीदार जोस बटलर के दमदार प्रदर्शन और चतुराई भरे शॉट चयन का एक अद्भुत संगम थी, जिसने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया। साल्ट ने शतक शानदार अंदाज में पूरा किया, जिसमें मिड-ऑन पर एक सटीक ड्राइव के साथ चौका फिर एक फ्री हिट पर एक रन और कैगिसो रबाडा की गेंद पर बेथेल के तेज दो रन से हासिल किया। साल्ट का यह शतक उन्हें वैश्विक मंच पर विशिष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी में भी शामिल करता है। वह केवल 42 पारियों में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक हैं। यह भारत के सूर्यकुमार यादव से काफी तेज है, जिन्होंने 57 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों की बात करें तो उनसे ज्यादा सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने पांच-पांच शतक लगाए हैं, जिससे साल्ट इस प्रारूप में खेल के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। गौर है कि आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले साल्ट ने 60 गेंदों पर 15 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 141 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने 304/2 का स्कोर बनाया। यह किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा बनाया गया अब तक का सर्वोच्च टी20 स्कोर है।

सचिन तेंदुलकर बाल-बाल बचे!

प्लेन की अचानक की गई इमरजेंसी लैंडिंग, मास्टर ने शेयर किया भयावह अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हाल ही में केन्या के मासाई मारा के जंगलों में एक अजीब सी परिस्थिति में फंस गए। उनके विमान को एक भयंकर तूफान की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा कि जंगल का अपना तरीका है स्वागत करने का, हमेशा! यह घटना हमें प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति की याद दिलाती है, जो मासाई मारा जैसे क्षेत्रों में काफी आम है।

सचिन तेंदुलकर ने खुद बयां की कहानी

सचिन तेंदुलकर ने वीडियो में बताया कि जब वे मासाई मारा के ऊपर से उड़ान भर रहे थे, तब उन्हें दूर से ही एक भयानक तूफान दिखाई दिया। खराब मौसम के कारण पायलट को दो बार लैंडिंग रद्द करनी पड़ी, जिससे विमान के अंदर एक तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। आखिरकार, रनवे साफ होने के बाद विमान को दूसरी तरफ उतारा गया। लेकिन, उनकी मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं।
बारिश के कारण वे कुछ समय के लिए जंगल में ही फंस गए और उन्हें मदद आने का इंतजार करना पड़ा। इस पूरी स्थिति के बावजूद, सचिन के चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगर रात को नहीं आए, तो यहीं जंगल में... उनका यह शांत और सकारात्मक रवैया उनकी महानता को दर्शाता है।

सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग, सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की जोड़ी को हराया

हांगकांग, एजेंसी। सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने लंबा सूखा समाप्त करते हुए सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग ने शनिवार को सेमीफाइनल में विश्व के नौवें नंबर की जोड़ी चीनी ताइपे के बिंग वेई लिन और चेन चेंग कुआन को सीधे गेम में हराया।

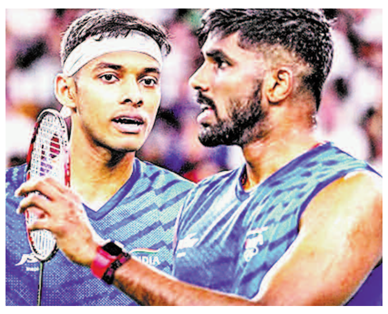

सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का खिताबी मुकाबले में सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी तथा चीनी ताइपे की फांग चिह ली और फांग जिन ली के बीच एक अन्य सेमीफाइनल मैच की विजेता जोड़ी से होगा। सात्विक-चिराग के लिए यह नतीजे काफी सुखद है क्योंकि उन्होंने कई चुनौतियों से पार पाकर वापसी की है।

निशानेबाज ईशा ने खत्म कराया भारत के पदक का सूखा, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

निंगबो, एजेंसी। ईशा का विश्व कप में यह पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। ओलंपियन और मिश्रित टीम पिस्टल स्पर्धा की विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में भारत के खिताब का सूखा समाप्त करते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता।

ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक

यह ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप

भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

ईशा ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह पहली प्रतियोगिता थी जिससे मैंने शुरुआत की और इसमें विश्व कप का स्वर्ण पदक जीता। हां, जाहिर है कि इस साल की अगली सबसे बड़ी प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप है। हम इसके लिए बहुत कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि आपको काहिरा में भारतीय टीम से बहुत अच्छी चीजे देखने को मिलेंगी।

ईशा और उनकी साथी रिदम सांगवान ने 578 के समान स्कोर के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जिससे उन्हें अंतिम दो उपलब्ध स्थान प्राप्त हुए। याओ ने 584 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही भारत की पलक गुलिया ने 586 का स्कोर किया। सुरभि राव 568 के स्कोर के साथ 25वें स्थान पर रहीं।

आठ निशानेबाजों के फाइनल में रिदम ने अच्छी शुरुआत की और पहली सीरीज के बाद वह शीर्ष जबकि ईशा दूसरे स्थान पर थीं। एलिमिनेशन के आगे बढ़ने के साथ ही दोनों भारतीय ने धैर्य के साथ अच्छे निशाने साधे। रिदम अपने 15वें निशाने पर 10.8 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर पहुंची लेकिन 18वें निशाने के बाद मुकाबले से बाहर हो गईं। ईशा ने इस बीच अपनी लय बनाए रखी और निर्णायक चरणों में 10.7 के दो शॉट लगाकर याओ पर मामूली बढ़त बनाए रखी।

हरभजन सिंह के बीसीसीआई में शामिल होने की संभावना, पूर्व ऑफ स्पिनर प्रमुख भूमिका के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बाद अब हरभजन सिंह का नाम भी चर्चा में है, जिन्हें बीसीसीआई के शीर्ष पद से जोड़ा जा रहा है। तेंदुलकर पहले ही सभी अफवाहों का खंडन कर चुके हैं। लेकिन 2011 विश्व कप विजेता स्पिनर ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। पंजाब में जन्मे हरभजन का नाम तब सुर्खियों में आया जब पीसीए ने कथित तौर पर 45 वर्षीय हरभजन को आगामी बीसीसीआई चुनावों में एक भूमिका के लिए नामित किया। भारत के लिए 367 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन अब चुनाव लड़ने के पात्र होंगे क्योंकि उन्हें राज्य संघ का समर्थन प्राप्त है, जो किसी भी उम्मीदवार के लिए एक बुनियादी

आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार अक्सर खेल संगठनों में शीर्ष प्रशासनिक पदों पर प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को नियुक्त करने की ओर झुकी रही है। सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी जैसे पूर्व क्रिकेटर बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं। चुनाव 28 सितंबर को होंगे जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों का फैसला होगा।बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया (सचिव), प्रभतेज सिंह भाटिया (कोषाध्यक्ष) और रोहन देसाई (संयुक्त सचिव) जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

जैस्मिन, नूपुर ने फाइनल में पहुंचकर जगाई स्वर्ण की उम्मीद; खाली हाथ लौटे पुरुष मुक्केबाज

लिवरपूल, एजेंसी। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा भारवर्ग) और नूपुर (80+किग्रा भारवर्ग) ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प वेश किया। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। वह फाइनल में पोलैंड की जूलिया से भिड़ेंगी। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। इससे पहले मीनाक्षी हुड्डा ने भारत का चौथा पदक पक्का किया। वह महिलाओं के 48

भारवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मीनाक्षी ने अंडर-19 वर्ग की विश्व चैंपियन इंग्लैंड की एलाइस पंपेरी को क्वार्टर फाइनल में हराया।

कड़े संघर्ष से गुजरा है मीनाक्षी का सफर

हरियाणा में रोहतक जिले के रुरकी गांव की 24 साल की मीनाक्षी चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता ऑटो रिक्शा चलाते हैं और मां गृहिणी हैं। उन्हें गुजारा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। निजी कोच विजय हुड्डा ने शुरुआत में खुराक, किट और यात्रा खर्च में मदद की। वह अपनी अकादमी में निशुल्क ट्रेनिंग देते हैं। 2022 में एशियाई चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली मीनाक्षी की यह पहली विश्व चैंपियनशिप है।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के 10 सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने तीन कांस्य जीते थे।

अभिषेक बच्चन ने 6 बार

साबित किया कि वह 2025 के सबसे सफल अभिनेता हैं

अभिषेक बच्चन ने 'पुनर्निमाण' को अपनी पहचान बना लिया है, और 2025 उनके लिए एक शानदार साल साबित हुआ है। इस साल उन्होंने यह दिखा दिया कि लगन, प्रतिभा और थोड़े से स्वैग के साथ कोई भी कहानी बदली जा सकती है। चाहे बात स्ट्रीमिंग की हो या थिएटर्स की, अवॉर्ड्स की हो या फैशन की – अभिषेक ने हर मोर्चे पर बाज़ी मारी है, जानिए कैसे।

– यह उनके निरंतर शानदार प्रदर्शन और समर्पण का प्रमाण था। कॉमेडी हो, थ्रिलर हो या ड्रामा, अभिषेक हर शैली में सहजता से ढल जाते हैं। इतनी विविधता के साथ हर किरदार को निभाने की उनकी क्षमता यह दिखाती है कि वह बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद कलाकारों में से एक हैं। स्क्रीन के बाहर भी उनका फैशन स्टाइल सहज, लेकिन बेहद प्रभावशाली है।

मैगज़ीन शूट्स से लेकर रेड कारपेट तक, अभिषेक की शांत आत्मविश्वास से भरी उपस्थिति उन्हें खास बनाती है। स्ट्रीमिंग के दबदबे से लेकर बॉक्स ऑफिस की सफलता तक, आलोचकों की सराहना से लेकर स्टाइलिश अपीयरेंस तक – 2025 को अभिषेक बच्चन ने पूरी तरह अपना बना लिया है। हर किरदार, हर इवेंट में वह यह साबित कर रहे हैं कि निरंतरता और प्रामाणिकता ही असली सफलता की कुंजी हैं। और सबसे उत्साहजनक बात यह है कि उनकी यह गति आगे आने वाले समय के लिए और भी बड़े मुकाम तय कर रही है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म बना खेल का मैदान

ओटीटी प्लेटफॉर्म अब अभिषेक के लिए एक नया खेल का मैदान बन गया है। 'दसवी' से लेकर ग्लोबल हिट बी हैप्पी तक, उनकी परफॉर्मेंस न केवल चार्ट में टॉप कर रही हैं, बल्कि दुनियाभर में ट्रेंड भी कर रही हैं – यह साबित करते हुए कि डिजिटल स्पेस में उनकी पकड़ बेजोड़ है। वह सिर्फ़ ओटीटी के चहेते नहीं हैं; हाउसफुल 5 के साथ, अभिषेक ने दर्शकों को अपनी ओर खींचकर और लगातार शानदार अभिनय करके सभी को अपनी कमर्शियल ताकत का एहसास दिलाया। आई वांट टू टॉक से लेकर घूमर तक, अभिषेक ने आलोचकों को उनके संजीदा अभिनय की सराहना करने पर मजबूर कर दिया है। मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में उनका 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' पुरस्कार सिर्फ एक और अवॉर्ड नहीं था.

फिल्म 'सैयारा' से फेमस हुए एक्टर शान आर. ग्रोवर के पास शाहरुख खान की जैकेट है। इस जैकेट को शाहरुख खान ने फिल्म जब तक है जान में पहना था। इससे जुड़ी यादें उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में शेयर की और बताया कि इससे उनकी एक खास याद जुड़ी है। यही नहीं, उन्होंने कहा है कि इस जैकेट से उनको प्रेरणा मिलती है।

'सैयारा'

एक्टर शान आर. ग्रोवर के पास है शाहरुख खान की जैकेट

शान ने कहा, जब मैं वाईआरएफ में कास्टिंग का काम कर रहा था, तब शाहरुख की फिल्म जब तक है जान का यह ब्लैक लेदर जैकेट मेरे पास आ गया। यह अब भी मेरे पास है। जब भी मैं इसे देखता हूं, मुझे अपने करियर के शुरुआती संघर्ष के दिन और मैं कैसे एक अभिनेता बनना चाहता था, यह याद आता है। मेरे लिए ये सिर्फ एक जैकेट नहीं है, बल्कि एक याद और प्रेरणा है। हर अभिनेता की तरह, मेरा भी सपना है कि किसी दिन मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिले। शान ने बताया कि यह जैकेट आज भी उनके पास है। इसे उन्होंने संभालकर रखा है। शान ने फिल्म सनम तेरी कसम÷ में बतौर सहायक निर्देशक अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा से एक्टिंग की क्लास ली। वह अब तक नोबलमैन, रूहानियत, लीक्ड और दस जून की रात जैसी वेब सीरीज में दिखाई दे चुके हैं। 'सैयारा' में उन्होंने वाणी (अनीत पड्डा) के पूर्व प्रेमी की भूमिका निभाई है। इस फिल्म से जुड़ा एक किस्सा भी उन्होंने शेयर किया। शान ने बताया कि 'सैयारा' की शूटिंग के दौरान वे वाईआरएफ स्टूडियो में शूट कर रहे थे। यहां मोहित सूरी ने उनको बताया कि शाहरुख खान भी इसी स्टूडियो में सिर्फ दो कमरे छोड़कर पास में ही शूट कर रहे हैं। यह उनके लिए बहुत ही खास पल था। 'सैयारा' ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। यहां भी दर्शक इसे खूब पसंद कर रहे हैं। इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया है।

शादी के करीब एक दशक बाद शोबिज में लौटना आसान नहीं था: गीता बसरा

अभिनेत्री गीता बसरा ने करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद, पंजाबी फिल्म मेहर से दमदार वापसी की। राकेश मेहता ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 5 सितंबर को रिलीज हो चुकी है। गीता बसरा ने कई सालों बाद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी वापसी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बीच फिल्म इंडस्ट्री में आए बदलावों पर भी बात की।

बात करते हुए गीता ने कहा, सेट पर होना मेरा सपना है, और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे एक और मौका मिला। यहां आकर मुझे बहुत खुशी मिलती है। पंद्रह साल पहले, शादी के बाद महिलाओं के लिए वापसी करना मुश्किल था, लेकिन अब समय बदल गया है। पीढ़ी बदल गई है, और अब यह कोई मायने नहीं रखता।

गीता ने अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ एक मैगजीन के कवर पेज पर आने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, बड़ी हस्तियों के साथ शामिल होना वाकई गर्व की बात है। एंड्रिया जी और उनकी टीम ने बहुत अच्छा काम किया है और यह हमारे लिए सम्मान की बात है। हमें उम्मीद है कि भविष्य में हम और आगे भी साथ काम करेंगे। हरभजन सिंह को मैगजीन के कवर पेज पर दिखाने का फैसला कैसे लिया गया? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, एंड्रिया, शिवेंद्र और टीम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि कवर पर किसे दिखाया जाए।

शिवेंद्र ने हरभजन का नाम सुझाया और तुरंत सभी को लगा कि यह सही फैसला है। जल्द ही हम दोनों से संपर्क किया गया और सब कुछ बहुत अच्छा हुआ। समय भी बिल्कुल सही था, मेरी फिल्म अभी-अभी रिलीज हुई थी, मैंने प्रोडक्शन में कदम रखा और हम इस खूबसूरत शो का हिस्सा थे, जिसकी लोग सराहना कर रहे हैं।

करण जौहर ने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट पर की बात

फिल्मकार करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वे यहां पर अपनी फिल्म और लाइफ से जुड़ी अपडेट्स साझा करते रहते हैं। आज उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें उन्होंने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट फैंस के साथ साझा किए हैं। करण जौहर ने इस पोस्ट में कई स्लाइड्स शेयर की हैं। इनमें उन्होंने अपने विचार फैंस के साथ साझा किए हैं। इन्हें शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, विचार जिनसे मैं सहमत हूं। पहली स्लाइड में उन्होंने लिखा, नियम 1÷ वे जो सोचते हैं, उससे कोई लेना-देना नहीं। दूसरी स्लाइड पर लिखा था, कभी-कभी आपकी कीमत तब तक नहीं दिखती जब तक आपकी अनुपस्थिति का एहसास न हो। तीसरी स्लाइड पर लिखा है, एक रिमाइंडर÷ टॉक्सिक लोगों को नजरअंदाज करना खुद की देखभाल करना है। अन्य स्लाइड्स में लिखा था, अगर आप छोटी-छोटी बातों से विचलित हो जाते हैं, तो आप बड़े काम नहीं कर सकते। सीखने लायक बनें। आप हमेशा सही नहीं होते। ऐसे लोगों को चुनें जो आपको चुनते हैं। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो आपका साथ कभी नहीं देंगे क्योंकि वो आप हैं। फिर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हमेशा आपका साथ देंगे क्योंकि वो आप हैं। आपको बस अपने लोगों को ढूंढना है। फिल्मों की बात करें तो करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इसे शशांक खेतान ने लिखा और डायरेक्ट किया है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले इसे बनाया गया है। इस रोमांटिक कॉमेडी में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल, और अक्षय ओबेरॉय जैसे कलाकार हैं। यह दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अंजना सिंह के लिए डबल धमाका, एक फिल्म रिलीज के लिए तैयार

भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री अंजना सिंह की मानो पांचों ऊंगलियां घी में हैं। जहां उनकी फिल्म अवैध सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, उनकी दूसरी फिल्म आपन कहाये वाला के बा का पहला पोस्टर रिलीज हुआ है। अंजना ने फैंस को जानकारी देते हुए इंस्टाग्राम पर दोनों फिल्म के पोस्टर जारी किए। पहली पोस्ट में उन्होंने फिल्म अवैध का पोस्टर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म 26 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। पोस्टर में वह दुल्हन के लिबास में घूंघट हल्का ऊपर किए हुए, भावुक अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा, 26 सितंबर। इस फिल्म के निर्माता आदित्य कुमार झा और निर्देशक नीरज रणधीर हैं। पटकथा और डायलॉग प्रवीण चंद्र ने लिखे हैं, जबकि गाने संदीप नाथ, ब्रजकिशोर दुबे, इरशाद खान सिकंदर, कृष्णा बेदर्दी और अभिषेक चौहान ने लिखे हैं। वहीं, फिल्म में संगीत बापी टूटूल, कृष्णा बेदर्दी और पप्पू श्रीवास्तव का है। वहीं, दूसरी पोस्ट में उन्होंने फिल्म आपन कहाये वाला के बा का पहला पोस्टर रिलीज किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, फर्स्ट लुक। पोस्टर में अंजना और सह-कलाकारों के गंभीर भाव देख फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि फिल्म किसी सामाजिक या गंभीर मुद्दे पर आधारित हो सकती है। इस फिल्म के निर्माता विनय सिंह और रजनीश मिश्रा हैं, जबकि लिरिक्स रजनीश मिश्रा के हैं। फिल्म के क्रिएटिव डायरेक्टर बिनीत केडिया हैं। अंजना की बात करें तो वह कई भोजपुरी फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं।

अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक, कहा-

जल्द मिलेंगे प्यार और कहानियों के साथ

मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक लेने जा रही हैं। अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर एक लेटर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ब्लू लाइट छोड़कर अब मोमबत्ती की रोशनी की ओर जा रही हूं। थोड़े समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहूंगी ताकि स्क्रॉलिंग की दुनिया से दूर रहूं और वहां जा सकूं, जहां से हम सबने शुरुआत की थी। दुनिया से फिर से जुड़ने और अपने काम पर ध्यान देने के लिए, जल्द ही आप सबसे फिर मिलूंगी, ढेर सारी कहानियों और प्यार के साथ। हमेशा के लिए मुस्कुराते रहिए।

प्यार, अनुष्का शेट्टी। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, प्यार जो कभी खत्म न हो। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुष्का की हालिया रिलीज फिल्म घाटी है, जिसका निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। फिल्म में अनुष्का के साथ विक्रम प्रभु मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। पहले यह 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसके प्रोडक्शन से जुड़ा कुछ काम बाकी था, जिस वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी थी। तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु ने फिल्म में देसी राजू का किरदार निभाया है। उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए आठ किलो वजन कम किया था। अनुष्का शेट्टी ने इस फिल्म से करीब दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी की थी। इससे पहले वह साल 2023 में फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आई थीं। घाटी फिल्म में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म में अनुष्का ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है।

अदिवी शेष की फिल्म डकैत में हुई अतुल की एंट्री

साउथ अदिवी शेष काफी समय से अपनी आगामी फिल्म डकैतः एक प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान शैनिल देव ने संभाली है। अदिवी के साथ इस फिल्म में मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। वही अनुराग कश्यप भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। कुछ समय पहले फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। अब डकैत में दिग्गज अभिनेता अतुल कुलकर्णी की एंट्री हो गई है। अतुल के 60वें जन्मदिन पर फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है। वह फिल्म में गुरु की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने इस पोस्टर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। वहीं अदिवी ने अतुल का स्वागत करते हुए लिखा... प्रिय अतुल कुलकर्णी सर, आपके साथ काम करना और सेट पर आपसे जिंदगी के सारे सबक सीखना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही। यह फिल्म क्रिसमस के खास मौके पर रिलीज हो रही है।

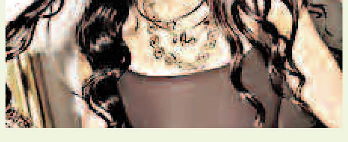

अभिनेत्री सबा आज़ाद ने अपनी फ़िल्म बन्दर की वर्ल्ड प्रीमियर पर पूरी टीम के साथ दिखाया जलवा

अपनी अनोखी और अलग हटकर परियोजनाओं के चुनाव के लिए मशहूर सबा ने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित महोत्सवों में से एक पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और अपने कलात्मक सफ़र में नया मील का पत्थर छुआ। रॉकेट बॉयज़ और सॉन्स ऑफ़ पैराडाइज़ जैसे प्रोजेक्ट्स से पहचान बनाने वाली सबा को ञ्ढ्ढस्न्न ने दिया इंटरनेशनल स्पॉटलाइट और पहुंचा दिया ग्लोबल मंच पर। यह फ़िल्म बिल्कुल वैसी ही है - लोगों, उनके चुनावों और उन पिंजरों की परतें खोलती है जो हम खुद अपने लिए बना लेते हैं। मेरे लिए यह सिर्फ़ रेड कार्पेट पर चलना नहीं, बल्कि ईमानदारी और सच्चाई से बनी कहानी दुनिया के सामने रखना है। इतने बड़े मंच पर इसे जगह मिलना बेहद प्रेरणादायक है।